केन्द्रीय विद्यालय बुलन्दशहर

KENDRIYA VIDYALAYA BULANDSHAHR

KENDRIYA VIDYALAYA BULANDSHAHR

BULANDSHAHR
1 Dec 2017
बुलन्दशहर

केन्द्रीय विद्यालय बुलन्दशहर
15 दिसम्बर, 2017
DECEMBER, 2017

KENDRIYA VIDYALAYA

BULANDSHAHR

VIDYALAYA PATRIKA 2017-18

Editorial Board

PATRON : Mr. Satya Pal Singh, Principal

ADVISOR : Mrs. Pramila Singh, Vice- Principal (I Shift)

: Mr. S.N. Sharma, Vice-Principal (II Shift)

Mr. Amarchand, H.M. (I Shift)

CHIEF EDITOR : Mr. Naresh Kumar, PGT-English (I Shift)

EDITORS

(HINDI) : 1. Mrs. Sarita Singh, PGT- Hindi (I Shift)

2. Mr. J. P. Singh, TGT-Hindi (I Shift)

2. Ms. Indu Kumavat, TGT- Hindi (II Shift)

(SANSKRIT) : Mrs. Shobha Vyas, TGT- Sanskrit (I Shift)

(ENGLISH) : 1. Mrs. Abha Gupta, TGT-English (I Shift)

2. Mrs. Neha Yadav, TGT-English, (II Shift)

CO- EDITOR : Mrs. Anubhuti Sharma, PRT

COVER PAGE : Mast. Abdul Qadir, IX A (I Shift)

Under the guidance of

Mrs. Lalita Tomar, TGT-AE (I Shift)

E-Version prepared by: 1. Mrs. Preeti Dixit, Computer Instructor (Shift-1)

2. Mr. Ankush Gupta, Computer Instructor (Shift-1)

3. Ms. Geeta, PGT-CS

संतोष कुमार मल्ल, भा.प्र.से.
आयुक्त
Santosh Kumar Mall, I.A.S.
Commissioner

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
18, संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110016
दूरभाष : 91–11–26512579, फैक्स : 91–11–26852680
18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016 (India)
Tel. : 91-11-26512579, Fax : 91-11-26852680
E-mail : kvs.commissioner@gmail.com, Website : www.kvsangathan.nic.in

529

फ॰ 1-1/2018-केविस/का॰ स॰ /आयुक्त

संदेश

यह जानकार अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय, बुलन्दशहर अपनी वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका के साथ जुड़ना एवं उसमें रचना प्रकाशित होना, सचमुच एक अदभुत अनुभव होता है। मैं आशा करता हूँ कि पत्रिका में विविधता के साथ मौलिकता पर भी बल दिया जाएगा ताकि एक ऐसा प्रकाशन तैयार हो, जिससे पाठकों को सुरुचिपूर्ण सामग्री प्राप्त हो सके।

आशा है कि संपादक मंडल द्वारा प्रकाशन से जुड़े विभिन्न पहलुओं जैसे- शोध, सामग्री चयन व डिजाइन आदि पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और अंततः पाठकों के हाथ में एक रचनात्मक एवं त्रुटिहीन पत्रिका होगी। इस प्रकाशन को ई-पत्रिका के रूप में वर्षवार विद्यालय की वेबसाइट पर भी पाठकों के लिए उपलब्ध कराया जाए, इससे न केवल पत्रिका का ई-संकलन होगा, बल्कि यह वर्षों बाद भी सबके लिए उपलब्ध हो सकेगी।

पत्रिका के प्रकाशन से संबन्धित छात्रों, शिक्षकों एवं प्राचार्य को हार्दिक शुभकामनाएं।

संतोष 2018

(संतोष कुमार मल्ल)
आयुक्त

प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय
बुलन्दशहर
उत्तर प्रदेश -203001

529

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
18, संस्थागत क्षेत्र / 18, Institutional Area,
शहीद जीत सिंह मार्ग / Shaheed Jeet Singh Marg,
नई दिल्ली–110016 / New Delhi-110016
दूरभाष / Tel. : 011-26533749
फैक्स / Fax : 011-26964366
ई–मेल / E-mail : addlcomm.acad@kvsedu.org
kvs.addlcacad@gmail.com
वेबसाइट / Website : www.kvsangathan.nic.in

उदय नारायण खवाड़े
अपर आयुक्त (शैक्षिक)
U. N. Khaware
Addl. Commissioner (Acad.)

एफ.1-10/अपरआयु.शैक्षिक/केविसं/2018

संदेश

मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि केंद्रीय विद्यालय, बुलन्दशहर सत्र 2017-18 हेतु विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा है।

विद्यालय पत्रिका साहित्यिक प्रतिभा और छात्रों के रचनात्मक कौशल को बढ़ाने में एक उत्प्रेरक का कार्य करती है। इसके अलावा, यह घटनाक्रम और विद्यालय की उपलब्धियों के साथ-साथ छात्रों द्वारा रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए भी एक उपयुक्त मंच है। मुझे यह जानकार अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि इसमें शत प्रतिशत छात्रों एवं शिक्षकों के विचार समावेशित किए गए हैं।

यह खुशी की बात है कि केंद्रीय विद्यालय गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान कर अपने उदेशयों और उनकी उपलब्धियों की पूर्ति की दिशा में बहुत ही सार्थक कदम उठा रहे हैं। मैं प्राचार्य, शिक्षकों और विद्यालय के छात्रों को विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए अपने पूरे मन से प्रयास के लिए शुभकामनायें देता हूँ।

(यू.एन. खवाड़े)
अपर आयुक्त (शैक्षिक)

श्री एस. पी. सिंह
प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय
बुलन्दशहर 203001 (यू.पी.)

केन्द्रीय विद्यालय सगंठन / **KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN**
क्षेत्रीय कार्यालय, आगरा / **REGIONAL OFFICE, AGRA**
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन, भारत सरकार)
(Under Ministry of HRD, Govt. of India)
ग्रान्ड परेड रोड, आगरा छावनी / Grand Parade Road, Agra Cantt
आगरा (उ.प्र.) - 282001 / Agra (U.P.) - 282001
☎0562-2225530, 2225588, 2225523
Fax : 0562-2225374
www.kvsroagra.org

फा.स.30350/2017-18/केविस(आ0सं0)/शै0/ दिनांक -27.02.2018

संदेश

यह हर्ष का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय, बुलन्दशहर सत्र 2017-18 के निमित्त अपनी विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है।

विद्यालय पत्रिका द्वारा विद्यार्थियो की कल्पना को मूर्त रूप प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। विद्यालय स्तर, संकुल स्तर, क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि को इस पत्रिका के माध्यम से प्रकाशित करने का यह एक सराहनीय प्रयास है। पत्रिका, विद्यालय की गतिशीलता का दर्पण होती है।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं छात्रों को मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रकट करता हूँ जिनके अथक प्रयास, सहयोग व दिशा-निर्देशन में पत्रिका का यह वार्षिक अंक प्रकाशित होने जा रहा है।

(वाई. अरुण कुमार)
उपायुक्त

प्रति,
एस. पी. सिँह,
प्राचार्य,
केन्द्रीय विद्यालय,
बुलन्दशहर

डा0 रोशन जैकब
आई०ए०एस०
जिलाधिकारी
बुलन्दशहर

(कार्या0) 05732-280351
(आ0) : 05732-231343
(फैक्स) : 05732-280898
(मोबाइल) : 9454417563
(ई–मेल) : dmbul@nic.in
जिलाधिकारी कार्यालय
बुलन्दशहर–203001 (उ0प्र0)

अ0शा0प0सं0 1193/ST-DM/2018
दिनांक 05/02/2018

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय बुलन्दशहर अपनी वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है। छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में श्रेष्ठ अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ शिक्षणेत्तर गतिविधियों की भी महती भूमिका होती है। विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन भी सृजनात्मक गतिविधियों में से एक है। पत्रिका के माध्यम से छात्र-छात्राओं में अंतर्निहित साहित्यिक रचनाधर्मिता की सशक्त अभिव्यक्ति का सुअवसर मिलता है।

मुझे उम्मीद है कि यह पत्रिका छात्र-छात्राओं के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी समानरूप से शिक्षाप्रद एवं उपयोगी सिद्ध होगी। पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए समस्त विद्यालय परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं!

Rohan

(डॉ० रोशन जैकब)

FROM THE PRINCIPAL'S DESK…

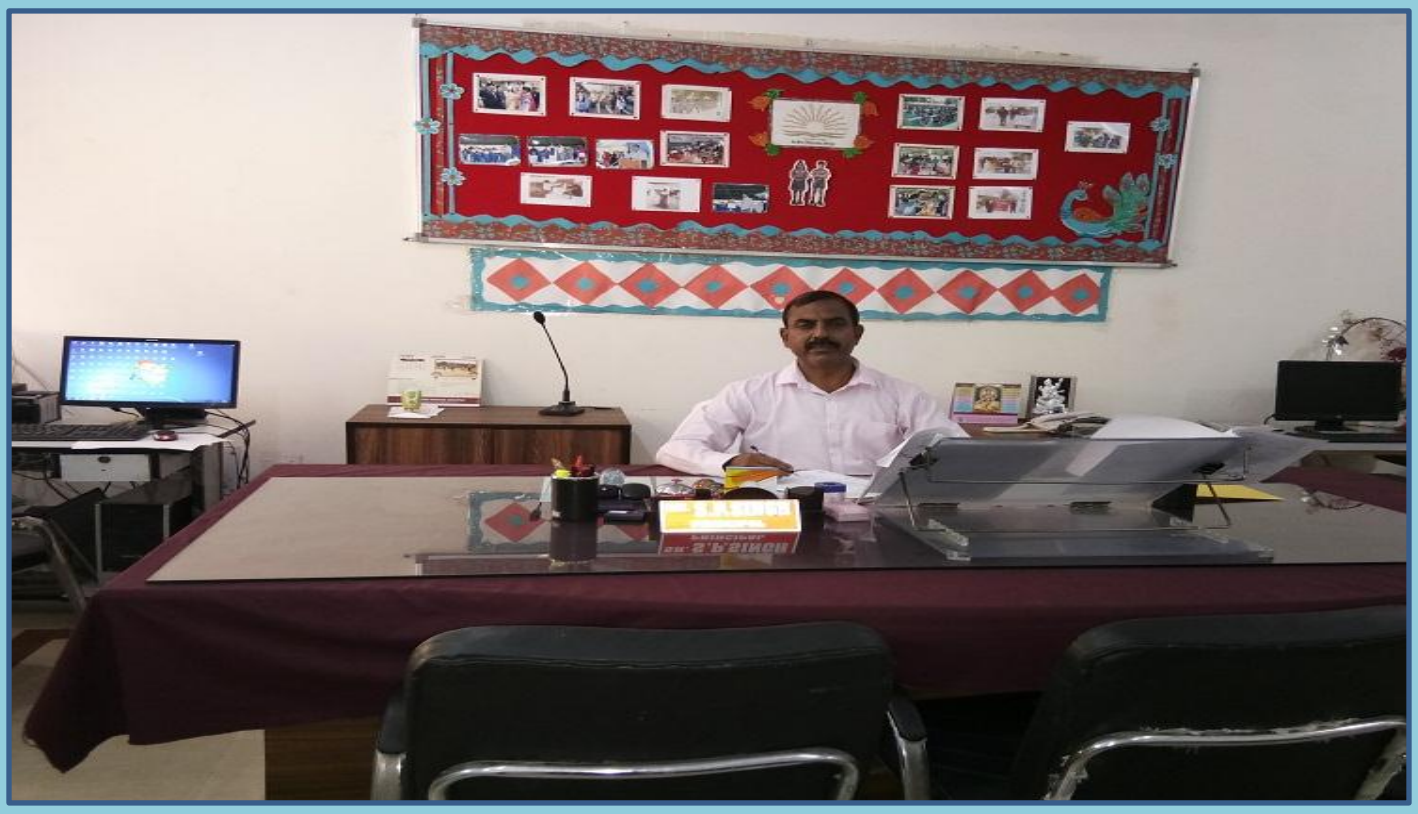

It's really a matter of great pleasure and pride that our Vidyalaya is going to put its Annual Magazine in the hands of the awakened and enlightened readers. It has really proved a marvelous platform for the talented students to give an expression to their feelings and imagination. The budding talents of this Vidyalaya have tried to give wings to their imagination and creativity through this medium which I hope will definitely receive your appreciation, well-wishes and blessings.

I congratulate all the students, their parents, teachers and all the other persons concerned who made untiring efforts to make the dreams for students come true in the form of their ideas being published. This is really a small effort to give vent to the hidden potential of the students and the teachers in the form of articles, poems, facts, drawings etc.

I take this opportunity to extend my compliments to the members of the Editorial Board and the students for their concerted efforts in putting this issue of the school magazine together, which I am sure, will provide an excellent forum to the awakened minds, apart from showcasing their talent.

With Best Wishes

(SATYA PAL SINGH)

PRINCIPAL

उप प्राचार्या की कलम से ...

प्रिय विद्यार्थियों,

हम जीवन को प्रगतिशील शुख समृद्धि से परिपूर्ण चाहते हैं - ज्ञान, कीर्ति चाहते हैं किन्तु ये चीजें तभी मिल पाती हैं जब हम अनुशासन में रहकर निरंतर प्रयास करते रहें। जैसा कि संस्कृत के कवि ने भी कहा है-

“उधम साहस धैर्य बुद्धि: शक्ति पराक्रम:

षड्ते यत्र वर्तन्ते तत्र देव सहायक:

इन गुणों के बिना हम जीवन में सफल नही हों सकते। समय की चुनौती को समझ, बुद्धि, सहस और धैर्य से किया गया परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता एक दिन उसका फल अवश्य मिलता है । मानव मन बिना खासकर विद्यर्थी जीवन में तो बिना परिश्रम के सफलता की आशा ही व्यर्थ है । आलस्य जीवन को क्षीण कर देता है सफल होने के लिए हम भाग्य के भरोसे नहीं रह सकते। इसलिए विद्यार्थियों के लिए निरंतर परिश्रम ही सफलता के द्वार की कुंजी है। विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति का विकास करने के लिए विद्यालय पत्रिका एक सशक्त माध्यम है।

यदि विद्यार्थी पूरी निष्ठा, ईमानदारी, कर्तव्यपरायण व् अनुशासन में रहते हुए विद्या ग्रहण करें तो निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे तथा एक आदर्श व् सफल नागरिक बांका देश की सेवा कर पायेंगे।

शुभकामनाओं सहित ।

धन्यवाद ।

श्रीमती प्रमिला सिंह

उप प्राचार्या

(प्रथम पाली)

एस एन शर्मा (उप प्राचार्य)

सन्देश

"सुन्दर है विहग सुमन सुन्दर।

मानव तुम सबसे सुन्दरतम।।"

एक सार्थक प्रयास के बाद विद्यालय पत्रिका आपको समर्पित करते हुए मुझे गौरव और हर्ष का अनुभव हो रहा है विद्यार्थियों का यह प्रयास प्रशंसनीय है।

विद्यार्थी, अध्यापकों एवं अभिवावकों के त्रिकोणीय सम्बन्ध में अभिभावक एक महत्वपूर्ण कड़ी है। "माता शत्रु पिता बैरी येन बालो न पाठित:" उक्ति अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका की ओर संकेत करती है। बालक की प्रथम पाठशाला घर ही है जीवन के आरंभिक वर्षो मे माता-पिता बाल - मन की भित्ति पर जिन संस्कारों को उकेरते हैं, उन्ही संस्कारों से विद्यार्थियों का पूरा जीवन संचालित होता है।

चाणक्य का कथन है - "जिनसे हम कभी एक अक्षर भी सीखतें हैं वे भी हमारे लिए गुरु हैं, वन्दनीय हैं"। बच्चे विद्यालय की अमूल्य सम्पदा हैं एवं राष्ट्र की अमूल्य निधि हैं। आपको अभी बहुत आगे बढ़ना है, ऊंचाइयों को छूना है, बुलंदियों तक पहुँचाना है, आपको एक अच्छा इंसान बनाना है।

भौतिकता तथा वैश्वीकरण के इस युग में आज ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित हो रहें हैं। मानव सभ्यता अपने परम उत्कर्ष पर है किन्तु आज मानव में स्वार्थपरता , संवेदनशून्यता की भावना पनप रही है जो किसी भी सभ्य समाज के लिए उचित नही है। संवेदनशील एवं मानवीय मूल्यों के अनुरूप आचरण करने में ही मानवता का हित है। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों में प्रेम, दया, सहानुभूति, पर्यावरण प्रेम जैसे मानवीय मूल्यों का विकास किया जाता है। सामूहिक क्रियाओं द्वारा उनमें परहित की भावना विकसित की जाती है। हमारी संस्कृति के अनुरूप 'त्यक्तेन भुंजीता' के मूल मन्त्र को जीवन में अपनाने के लिए सकारात्मक सोच विकसित की जाती है।

अंत में इस पत्रिका के मध्यम से के.वी.एस. के उच्चाधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ, जिनकी शुभकामनाओं से यह पत्रिका प्रतिफलित हुयी है।

विद्यालय परिसर की ओर से सुधि पाठकों को सुमंगल कामनाएं ।

मुख्याध्यापक की कलम से...

विद्यालय पत्रिका छात्र-छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने एवं उसमें निखार लाने का सबसे उपयुक्त एवं प्रभावशाली माध्यम है। बच्चों में रचनात्मक प्रतिभा अंतर्निहित होती है, आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें उचित मार्गदर्शन मिले। अपनी मौलिक अभिव्यक्ति के लिए उन्हें पूर्ण स्वतन्त्रता प्रदान करने पर ही वे अपने मन की बात लिखना सीख सकेंगे। विद्यालय पत्रिका के प्रस्तुत अंक मे भी हमारे छात्र एवं छात्राओं ने अपनी स्तरीय रचनाओं के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देने का प्रयास किया है जोकि सराहनीय है।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन में सहयोग हेतु केंद्रीय विद्यालय संगठन उच्चाधिकारियों, प्राचार्य महोदय, संपादक मण्डल एवं शिक्षकवृंद के प्रति आभार प्रकट करता हूँ जिनके अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप यह प्रयास एक मूर्त रूप ले सका है। मैं आशा करता हूँ कि विद्यालय पत्रिका लेखन के क्षेत्र में एक नए आयाम को हासिल करने तथा विद्यार्थियों में मौलिक रचनाओं के सृजन के प्रति एक नए उत्साह का संचार करने में सफल होगी।

(अमर चन्द)

मुख्याध्यापक

FROM THE EDITOR'S DESK…

Dear Readers,

It's a matter of great pleasure that another issue of school magazine in on release. This magazine provides ample opportunities to the budding artists, poets and essayists of our school besides their academic excellence.

The passion and the quest for creativity come triggered in a child through education and it is that kind of education the faculty members in KV Bulandshahr strive to give our children.

I personally opine that it is our moral duty to shape the personality of this younger generation by providing them a platform where they can perform their different intellectual gimmicks. This is, of course, such an attempt to fulfill their desires.

I, on behalf of the Editorial Board, express my sincere gratitude to our erudite Principal Shri S.P. Singh and learned colleagues but for whose guidance, inspiration and support this magazine for the academic year 2017-18 wouldn't have been accomplished.

NARESH KUMAR

PGT- ENGLISH

10 CGPA Students Class X (1st Shift)

Session – 2016-17

KUSHBU

ROBIN SINGH

KANISHKA

SHREYA GUPTA

GAGAN TOMAR

ANKITA SINGH

KM. CHANCHAL

SHIVANI SHARMA

SHUBIKA CHAUHAN

SOMIA CHAUDHARY

AMAN PARMAR

VIJAY KUMAR

2ND SHIFT

ARBAB ZAHEER

NITIN KUMAR

SHUBHAM CHAUDHARY

VIVEK KUMAR

Class XII Stream wise Toppers 2016-17 (1st Shift)

1. SCIENCE STREAM

ABHISHEK SINGH
I RANK

VISHAKHA SINGH
II RANK

ASHI SHARMA
III RANK

HIMANSHU
III RANK

2. COMMERCE STREAM

AKASH PANWAR
I RANK

KOMAL SINGHAL
II RANK

RAHUL
III RANK

3. HUMANITIES STREAM

NIKITA SINGH
II RANK

NAZIM
II RANK

SHAHREEN ANJUM
III RANK

4. PARTICIPATED IN (SGFI) HANDBALL

NEERAJ KUMAR
CLASS – XII A

ANNUAL-REPORT

Kendriya Vidyalayas have a four-fold mission:

1. To cater to Educational needs of children of transferable central govt.employees including defence and Para military personnel by providing a common pattern of education.
2. To pursue excellence and set the pace in the field of school education.
3. To initiate and promote experimentation and innovations in education in collaboration with other bodies like CBSE & NCERT.
4. To develop a spirit of National Integration and to create a sense of Indianness among the children.

In every area of activity we take care of all well-defined objectives. In academics we have proved our worth time and again, despite the fact that we take in children of average and below average level too. We have always been working hard to ensure all-round development of our children. We feel proud to present the good result, academic achievements, co-curricular activities and the achievements in the field of sports.

There are two shifts in this Vidyalaya and the total no. of students is 2481. We have a dedicated team of teachers and non-teaching staff, who have helped to impart education with a spirit of full devotion.

Academic Achievements: CBSE Board Results of March 2017 Examination have been illustrious. 16 students got 10 on 10 CGPA in class X examination.

Session: 2016-17 (CBSE Board Examination Result)

Sl. No.	Class	Pass Percentage
1.	XII	96.12%
2.	X	100%

Parent Teacher Association: Parent Teacher Meetings were successfully organized after each and every Test/Exam of all classes. These PTM's also helped the students to boost up their self-confidence to achieve learning objectives.

Co-Curricular activities: Kendriya Vidyalaya Bulandshahr focuses on holistic development of the students. Through A wide spectrum of activities along with Inter-House competitions is an integral part of school curriculam. To carry out these activities the students are divided into four houses- Shivaji,Tagore,Ashoka and Raman to facilitate a spirit of healthy competition among them. The children are provided with the opportunity to take part in various activities such as singing, dancing, speech, debate, calligraphy, group song, group dance, poem recitation quiz, drawing/painting etc.

Celebration of Important Days & Weeks: Our Vidyalaya also celebrated days and weeks of national and international importance. Important days such as Earth Day, Sadbhavna Diwas, Teacher's Day, Constitution Day, Education Day, and National Unity Day etc. were celebrated with full zeal and fervour. In addition to these days, Hindi Pakhwada, Vigilance Awareness Week, Paryatan Parv was also celebrated to create awareness among the children.

Scout & Guide Activities: 78 Scouts, 43 Guides, 38 cubs and 58 Bulbuls were registered for the academic year 2017-18. Rajya Purskar Testing Camp was held at KV No.1 Kota in July 2017. 08 Scouts and 04 Guides participated in

Rashtrapati Puraskar Testing Camp, the highest award in the field of B S & G Movement; held at NYC Gadpuri, Haryana in Dec 2017

Social Science Exhibition: Cluster level Social Science Exhibition-cum- Nation Integration Camp was held at KV DL Meerut in September 2017. 27 Project files and models of our children were selected for regional level. Our Partcipants bagged 1st position in Cluster level English Debate and Sanskrit Shloka Recitation competition while 2nd position in English Debate, Hindi Debate, Quiz, Hindi Poem Recitation, Sanskrit Shloka (Junior Group), Hindi Skit and English Elocution competiton.

Regional level Exhibition was held at KV DL Meerut. Chirakshi Raj of XIIA secured 2nd position in English Debate. 15 Project Files & 01 Model have been selected for national level.

Science Exhibition: With a view to promote scientific attitude and creativity, the Vidyalaya organized school-level Science Exhibition in which the students exhibited their projects. 06 students participated in regional level Science Exhibition too.

Sports: With a view to participate in Regional sports events, inter-school sports activities were organized to select teams for various events. In the Regional sports events, our Kabaddi team grabbed 1st position. 04 Gold, 03 Silver & 06 Bronze Medals were received in Judo while in Boxing 01 Silver & 06 Bronze were bagged by the Vidyalaya. 07 students were selected for nationals. Master Neeraj Kumar (XIIA) was selected for SGFI in Handball & the team had been the runner-up.

Rajbhasha Hindi-: Kendriya Vidyalaya Bulandshahr is committed to discharge its constitutional duties and responsibilities to ensure maximum use of Hindi in the school. Our vidyalaya tries to make official correspondence and other work in Hindi. The staff members are also encouraged by the Principal in staff meetings to ensure maximum work in Hindi. Efforts are made to reply all official letters in Hindi. More use of Hindi on school website and in school computers is being ensured. In addition, various activities such as Hindi calligraphy, essay writing,poem recitation, poem composition, story writing, speech etc. were conducted for the children as well staff members during Hindi Pakhwada.

NCC: A junior division and wing (JD/JW) of NCC exists in the Vidyalaya under the aegis of 41UP BN NCC Bulandshahr. Sub unit consists of 50 cadets. 28 cadets have been recruited this year including 10 JW girl cadet and 18 JD boy cadets. Combined Annual Camp was held in our vidyalaya. Around 500 cadets from defferent units participated in this camp. 15 cadets of our Vidyalaya attended the camp and passed out successfully.

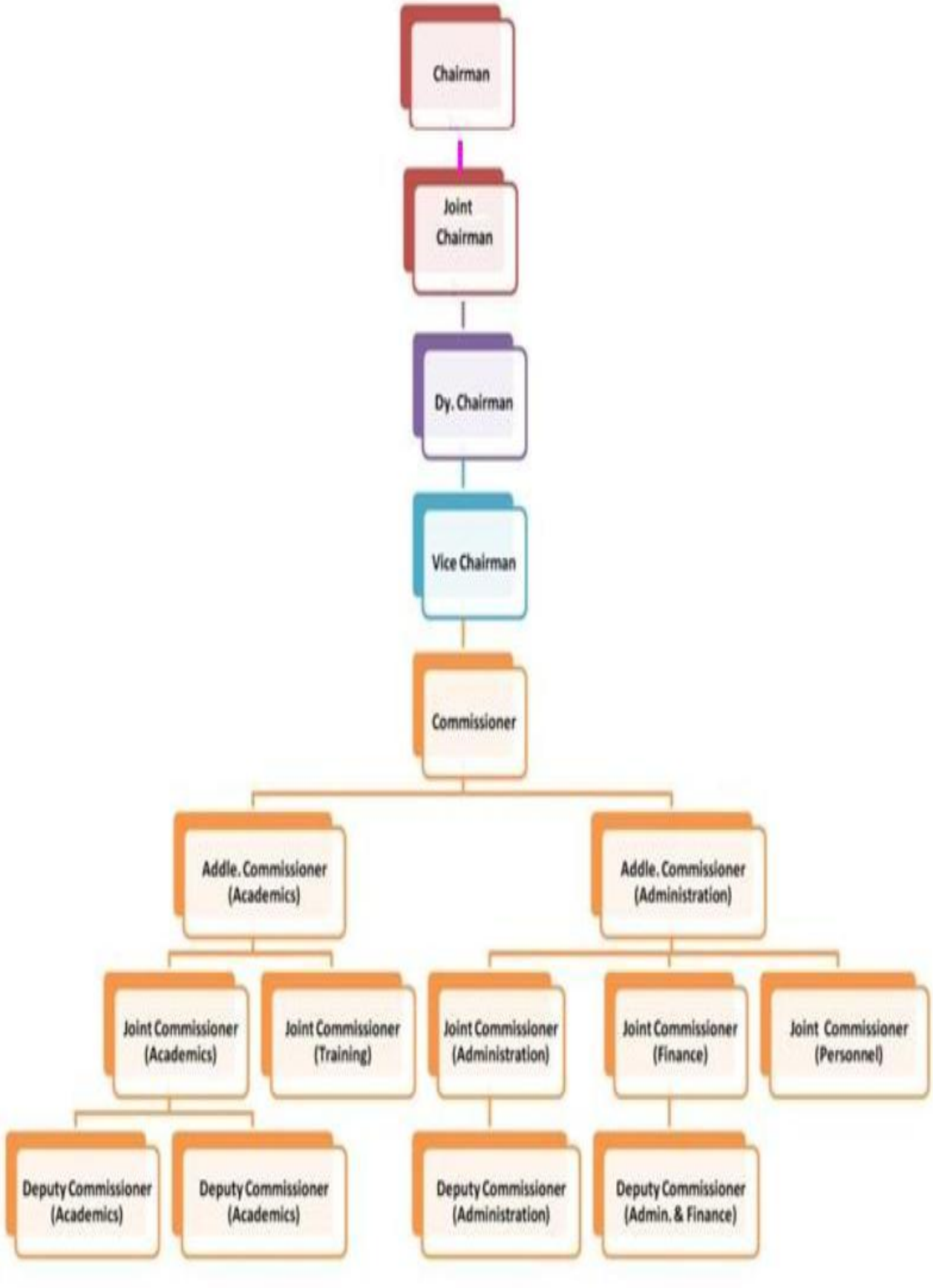
Chairman
Joint Chairman
Dy. Chairman
Vice Chairman
Commissioner
Addle. Commissioner (Academics)
Addle. Commissioner (Administration)
Joint Commissioner (Academics)
Joint Commissioner (Training)
Joint Commissioner (Administration)
Joint Commissioner (Finance)
Joint Commissioner (Personnel)
Deputy Commissioner (Academics)
Deputy Commissioner (Academics)
Deputy Commissioner (Administration)
Deputy Commissioner (Admin. & Finance)

KVS FOUNDATION DAY

NATIONAL YOUTH DAY

ANNVESTURE CEREMONY

INTERNATIONAL YOGA DAY

PARIKSHA PAR CHARCHA

MINI SPORTS DAY

31st Annual Day

CHAUDHARY

ANTI TOBACCO CAMPAIGN
NATIONAL TOBACCO CONTROL PROGRAMME

हिन्दी विभाग

सत्र– 2017–18

1 श्रीमती सरिता रानी–पी0जी0टी0 (हिन्दी)

विद्यार्थी संपादक

1 कपिल राठी XI-C

2 अंजली XI-D

सत्र 2017–2018

हिन्दी विभाग : अनुक्रमणिका

क0सं0	शीर्शक	विद्यार्थी का नाम	कक्षा एवं वर्ग
1	सच्चा मित्र (कविता)	महिमा	आठवी 'स'
2	कहानी सुना दो मॉ (कविता)	मोहाली	सातवी 'स'
3	सुबह (कविता)	सुरभि गौतम	सातवी 'अ'
4	पेड़ हमारे साथी (कविता)	गार्गी चौधरी	छठी 'अ'
5	दस मोती ज्ञान के	तनिष्का	छठी 'अ'
6	युद्ध (कविता)	तनिष्का	छठी 'अ'
7	गणतन्त्र दिवस (कविता)	मनू चौधरी	आठवी 'स'
8	मॉ की ममता (कविता)	गर्व कुमार सिंह	आठवी 'अ'
9	ऑखों में क्या है	मोनाली	सातवी 'स'
10	मेरा सपना (कहानी)	देवाश	आठवी 'स'
11	कोयल (कविता)	तुलसी कश्यप	सातवी 'ब'
12	होली (कविता)	मानसी सिंह	सातवी 'ब'
13	असली जिन्दगी	भूमिका	सातवी 'ब'
14	मानव जीवन	कनिका स्वरूप	बारहवी 'ड'
15	आया जाड़ा (कविता)	तनिष्का	छठी 'अ'
16	प्यारा स्कूल (कविता)	पूजा रानी	बारहवी 'ड'
17	पॉच मिनट का समय (कहानी)	अभिषेक मलिक	ग्यारहवी 'स'
18	बाई का जाड़ा (कविता)	चिनमई सिंह	सातवी 'स'
19	समय का महत्व (कविता)	पूजा रानी	बारहवी 'ड'
20	अंधविश्वास (कहानी)	पुलकित शर्मा	सातवी 'अ'
21	कुछ महत्वपूर्ण बातें	अभिषेक मलिक	ग्यारहवी 'स'
22	होली का पैगाम	अविका	छठी 'स'
23	ऐ.पी.जे. अब्दुल कलाम (कविता)	अननया सिंह	छठी 'स'
24	पिता (कविता)	हिमांशी शर्मा	नवी 'स'
25	तितली (कविता)	जसप्रीत कौर	छठी 'ब'
26	मेरी मॉ (कविता)	हिमां"ाी	नवी 'स'
27	मॉ (कविता)	अवि चौधरी	सातवी 'अ'
28	सुविचार	कनिका स्वरूप	बारहवी 'ड'
29	कर भला तो हो भला (कहानी)	परमजीत सिंह	सातवी 'अ'
30	स्वच्छ भारत (कविता)	प्रशांत भाटी	छठी 'स'
31	फौजी की महानता	अभिषेक मलिक	ग्यारहवी 'स'
32	स्वच्छता अभियान	वंशिका चौधरी	सातवी 'ब'
33	पिता (कविता)	सोनम लोहिया	आठवी 'ब'
34	वृक्ष बचाओ (कविता)	सुरभि गौतम	सातवी 'अ'
35	मान लीजिए आप	अभय सिंह	छठी 'ब'
36	मॉ (कविता)	पूजा रानी	बारहवी 'ड'
37	चुटकुले	चिनमई सिंह	सातवी 'स'
38	हसना सीखो (कविता)	हिमांशी शर्मा	नवी 'स'
39	चुटकुले	परमजीत सिंह	सातवी 'अ'
39	अनकहे सच्चे अलफाज	कपिल राठी	ग्यारहवी 'स'
40	आया होली का त्यौहार	जीतेन्द्र शर्मा	छठी 'स'
41	क्रिकेट (प्रश्नावली)	दीपान्शु जादौन	नवी 'ब'
42	नारी (कविता)	तनिष्का	छठी 'अ'
43	ऑखों में क्या है	तनिष्का	छठी 'अ'
44	स्वास्थ्य मंत्र	कपिल राठी	ग्यारहवी 'स'
45	ये बात समझ में आई नहीं	आदित्य जादौन	छठी 'अ'
46	पक्षी (कविता)	विशाल कुमार	आठवी 'अ'
47	क्या आप जानते हैं	जतिन कुमार	छठी 'स'
48	अजीब है न !	वि"ाल कुमार	आठवी 'अ'
49	वक्त (कविता)	साधवी सिंह	छठी 'स'
50	बचपन (कविता)	स्वाति लोहिया	आठवी 'अ'
51	बेटी (कविता)	आदित्य	आठवी 'स'

52	हसना मना है	भूमिका	छठी 'स'
53	पहेलियॉ	सुमित कुमार ध्रुव कुमार	छठी 'स' सातवी 'अ'
54	बताओ तो जानें	प्रीत चौधरी चिनमई सिंह निशान्त सिंह	छठी 'स' सातवी 'स' छठी 'स'
55	क्या आप जानते हैं	दिव्यांशु देव	छठी 'अ'
56	संस्कारः उन्नति के कारक	सरिता रानी स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)	
57	पहेलियॉ	तनिश	IV A
58	प्यारी सुबह	गरिमा रानी	VIII E
59	देश की बेटी–कल्पना	सोनल कुमारी	X E
60	चिराग हूॅ मैं	ग्रियस चौधरी	II C
61	हमारा देश	तनिश	IV A
62	हिन्दू मुस्लिम एक हैं	गौरी राघव	X E
63	माता पिता का महत्व	एंजिल	II A
64	हमारे जांबाज सैनिक	याशिका वर्मा	IX F
65	पिता	अंजलि रानी	VIII E
66	प्रगतिशील हिन्दी	निर्मेश (हिन्दी)	प्र0 स्ना0 शिक्षक
67	पुस्तक	आयुश कुमार	IV A
68	मेहन्त सफलता की कुंजी	विशेष सिंह	IV C
69	मेरा प्यारा केन्द्रीय विद्यालय	साहिल गौड़	V C
70	पढ़ने वालों पढ़ो कहीं भी	श्रतिका चौधरी	IX E
71	पढ़ाई	कशिश	IV B
72	जीवन मूल्यों का महत्व	श्री एस0एन0"र्मा उपप्राचार्य (द्वितीय पाली)	

सरस्वती वंदना

हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी
अम्ब विमल मति दे। अम्ब विमल मति दे।।
जग सिरमौर बनाएं भारत
वह बल विक्रम दे। वह बल विक्रम दे।।
हे हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी
अम्ब विमल मति दे। अम्ब विमल मति दे।।
साहस शील हृदय मे भर दे
जीवन त्याग–तपोमय कर दे
संयम सत्य स्नेह का वर दे
स्वाभिमान भर दे। स्वाभिमान भर दे।।1।।

नाम–स्याली शर्मा
कक्षा– छटी 'स'

सच्चामित्र (कविता)

तैर रही मछली पानी में,
बगुला ऑख गडाए,
दिए टकटकी खड़ा केकड़ा
मेंढक शोर मचाए।

टर्र...........टर्र...........टर्र.............मछली रानी
बाहर न तुम आना
घात लगाए तेरे दुश्मन
अपने प्राण बचाना।

मछली ने सोचा मेढक
नाहक मुझसे जलता है,
उसका रोज कुलाचे भरना
मुझे बहुत ही खलता है।

बाहर की है हवा अनोखी
थोड़ा चलकर देखू?
मैं तो हूॅ पानी की रानी
जरा धूप भी सेकु।

मारी डुबकी जब मछली ने
तट पर झट से आई
ध्यान लगाए उसे किनारे
बगुला पड़ा दिखाई।

इससे पहले वह बच पाती
बगुला टूट पड़ा था।
निगल गया जिंदा मछली
मेंढक **तो** मूक खड़ा था।

नाम– महिमा
कक्षा– अष्टम स

कहानी सुना दो मॉ

मॉ सुना दो वो कहानी,
जिसमें राजा न हो रानी।
जो सभी के ह्रदय की व्यथा हो,
गंध जिसमें न हो अप्सरा की,
बात जिसमें न हो अप्सरा की,
हो न परियॉ जहॉ आसमानी,
मॉ सुना दो न एक कहानी,
वो कहानी जो हॅसना सीखा
जिसमें सच की भरी चांदनी हो,
हो न वो कहानी पुरानी,
मॉ सुना दो ना एक कहानी

नाम – मोनाली
कक्षा – 7 सी

सुबह

सूरज की किरणों का आज बसेरा हो गया,
लो फिर से आज सवेरा हो गया।
बड़ों को प्रणाम करने का सवेरा हो गया,
ओंस की बूंदों से बगीचा सुनहरा हो गया।

फूलों की खुशबू से मेरा भी मन सुगंधित हो गया,
कल तो मन व्यथित था, आज हर्षित हो गया।
चन्द मिनट बैठकर मैं भी देखूॅ बाग में,
उथल – पुथल कल थी स्थिरता है आज में।

नीलागगन, विस्तृत फैला, वायु की सरस राहत है,
कलरव करते पक्षियों की आ रही आवाज है।
लाल, नीली, पीली, गुलाबी उड़ रही हैं तितलियॉ,
मेरे मन को भा रही हैं, सप्तरंगी तितलियॉ।

बह रही समीर ऐसे तरू पे पत्ते हिल रहे,
वायु के धीमें झोके तन को शीतलता दे रहे।
आओ बैठें छॉव में, **दूब** की हरियाली है,
फूलों पर भंवरे है बैठे, गुन–गुन गीत गा रहे।

सूरज की किरणों का आज बसेरा हो गया,
लो फिर से आज सवेरा हो गया।

नाम – सुरभि गौतम
कक्षा – 7 'अ'

पेड़ हमारे साथी

पेड़ हमारे साथी
जीवन की जलती इनसे बाती
सफर की धूप से
इनकी छाया हमें बचाती
पेड़ हमारे साथी
पेड़ अगर ना होते धरती पर
जीवन की कल्पना कोई कैसे करता
जब **सांस** ही ना आती
पेड़ हमारे साथी
जीवन की जलती इनसे बाती
खाना पानी इनसे मिलता
इनसे मिलती है जिन्दगी
कितनी प्यारी कितनी अच्छी
सुगंध हमें इनसे आती
पेड़ हमारे साथी
जीवन की जलती इनसे बाती
हसरत है यही अपनी
स्वच्छ वातावरण बनाऊँ
अपनी धरती पर पेड़ लगाऊँ
अपनी धरती को स्वर्ग से सुन्दर बनाऊँ
देख कर जन जीवन यह दशा
ऑख मेरी भर आती
पेड़ हमारे साथी
जीवन की जलती इनसे बाती
नाम– गार्गी चौधरी
कक्षा– **छठी 'स'**

युद्ध

युद्ध में न जाने जाते हैं,
कितने लोगों के प्राण,
फिर भी देश क्यों करते हैं,
ये युद्ध घमासान ?
चारों तरफ गोलियों की बौछार,
सब का एक – दूसरे पर वार,
कितने खाते इसमें मार,
लोगों में मच जाता हाहाकार।
कितनी स्त्रियां विधवा होतीं,
कितने बच्चे होते अनाथ,
फिर भी देश क्यों करते हैं,
ये युद्ध घमासान ?
क्या युद्ध के बिना कोई हल नहीं,
क्या हिंसा से ही मिलता फल सही,
शांति से भी मिल सकता है,
हर चीज का समाधान,
फिर भी दे"ा क्यों करते हैं,
ये युद्ध घमासान ?

नाम– तनिष्का, छठी 'अ'

दस मोती ज्ञान के

1 जीतने के लिए कोई चीज है तो – प्रेम
2 पीने के लिए कोई चीज है तो – क्रोध
3 खाने के लिए कोई चीज है तो – गम
4 दान के लिए कोई चीज है तो – दान
5 दिखाने के लिए कोई चीज है तो – दया
6 **देने** के लिए कोई चीज है तो – ज्ञान
7 कहने के लिए कोई चीज है तो – सत्य
8 रखने के लिए कोई चीज है तो– इज्जत
9 त्यागने के लिए कोई चीज है तो – ईर्ष्या
10 छोड़ने के लिए कोई चीज है तो – मोह

नम– तनिष्का
कक्षा– छठी 'अ'

गणतंत्र दिवस

विश्व में नाम था नाम रहेगा
भारत का सदा सम्मान रहेगा,
जिन शहीदों ने जान लुटाई,
उनका लबों पर नाम रहेगा,
परचम हमारा प्यारा तिरंगा
दुनियॉ में ऊंचा नि"ाान रहेगा,
फौजी हमारे है वीर सिपाही
देश उनके हाथों महफूज रहेगा,
देवता के तुल्य है किसान यहॉ के
कोई अब न भूखा इंसान रहेगा,
खुशहाली देश की क्या खूब
जवानो ! भारत अब वि"व का
सिरमौर रहेगा,

नाम– मनु चौधरी
कक्षा– आठवीं 'स'

माँ की ममता

माँ की ममता करूणा प्यारी,
जैसे दया की चादर
शक्ति देती नित हम सबको,
बन अमृत की गागर

साथी बन कर साथ निभाती,
चोट न लगने देती
पीड़ा अपने उपर ले लेती,
सदा–सदा सुख देती

माँ का ऑचल सब खुशियों की,
रंगा रंग फुलवारी
इसके चरणों में अनंत है
आनन्द की किलकारी – गुजती है किलकारी

अदभुत **माँ** का रूप सलौना,
बिल्कुल रब के जैसा
प्रेम के सागर सा लहराता
न्यारा अपनापन ऐसा.....

नाम– गर्व कुमार सिंह, आठवीं 'अ'

ऑखों में क्या है ?

- माता की ऑखों में – ममता
- पिता की ऑखों में – फर्ज
- भाई की ऑखों में – प्यार
- बहिन की ऑखों में – स्नेह
- अमीर की ऑखों में – सम्पन्नता
- गरीब की ऑखों में – आशा
- मित्र की ऑखों में – सहयोग
- गुरू की ऑखों में – दया
- शिष्यों की ऑखों में – आदर
- मालिक की ऑखों में – आदेश

नाम – मोनाली
कक्षा–7 सी

मेरा सपना

गर्मियों की बात थी दोपहर को मैं अकेले पंखे के नीचे सोच रहा था कि मैं बड़े होकर एक टीचर बनूंगा। जब मैं सात वर्ष का था क्योंकि मुझे स्कूल जाना पसंद नहीं था तो मैं ये सोचता कि मैं स्कूल की छुटटी कर दूँगा तो फिर मेरे भी मजे और बच्चों के भी मजे होंगे। जब मैने ये अपनी मम्मी को बताया तो उन्होने कहा इस के लिए तुम्हे बहुत पढ़ना पड़ेगा तब मुझे ये सुझाव कुछ अच्छा नहीं लगा तो ये सुझाव मैने छोड़ दिया। जब मैं दस वर्ष का हुआ तो मेरे मन में घर को सम्भालने का सुझाव आया क्योंकि जब मैं घर सम्भालता तो मैं पूरे दिन टी वी देखता और खेलता। जब मैंने ये अपने भी को बताया तो उन्होंने कहा की तुम्हे सबकी सेवा करनी पड़ेगी तब मेरे पैरों तले जमीन खिसक गयी तो मैंने ये सुझाव छोड़ दिया अब मैं चौदह वर्ष का हुआ तो मेरे मन में नेता जी बनने का सुझाव आया तब सब लोग मेरा कहना मानते और आदर सम्मान होता अचानक से पीछे से छड़ी पड़ी और आँखे खुली और पता चला कि मैं कक्षा में सू रहा था , और सपना देख रहा था ।

देवांश, आठवीं 'स'

होली

होली आई, होली आई,
रंग बिरंगी होली आई
धूम मचाती होली आई
घर घर में खुशियाँ लाई
बच्चों की यह टोली आई
हाथ में पिचकारी लाई
रंग गुलाल अबीर उडाती आई
होली आई होली आई
होली का गुलाल हो
रंग की गुलाल हो
रंग की बहार हो
गुंजिया की मिठास हो
एक बात खास हो
सब के दिल में प्यार हो
यही अपना त्योहार हो

नाम- मानसी सिंह
कक्षा- सप्तमी 'ब'

कविता - कोयल

काली-काली कोयल प्यारी
बोली इसकी सबसे प्यारी
कोयल प्यारी-प्यारी है
पक्षियों में न्यारी है
बसंत ऋतु में गाती है
बागिया को सरसाती है
कोयल देती सीख यही
मीठा बोलो यही कही

नाम:- तुलसी कश्यप

असली जिंदगी

दुनिया में कोई चीज अपने आपके लिए नहीं बनी है, जैसे – दरिया खुद अपना पानी नहीं पीता।
पेड़ खुद अपना फल नहीं खाते।
सूरज अपने लिए कभी रोशनी नहीं करता।
फूल अपनी खुशबू अपने लिए नहीं बिखेरते।
मालूम है क्यों ?
क्योंकि दूसरों के लिए जीना ही असली जिंदगी है।
नाम:- भूमिका
कक्षा:- सातवीं 'ब'

मानव जीवन

विधाता ने जब सृष्टि बनाई तब घोड़ा, गधा और कुत्ते को चालीस-चालीस वर्ष की आयु बाँट दी | जब इन सभी को अपनी आयु के वर्ष ज्ञात हुए तो वे सब मिलकर विधाता के पास गए | घोड़े ने कहा ' हे संसार के महाराज क्या में चालीस वर्षों तक दौड़ता रहूँगा ?' कृपया आप मेरी आयु बीस कर कर दें | गधे ने कहा 'महाराज मैं चालीस वर्षों तक बोझ ढोना नहीं चाहता' , कृपया मेरी आयु भी बीस कर दें | कुत्ते ने कहा ' हे ईश्वर , मैं चालीस वर्षों तक रखवाली करता रहूँगा क्या ?, मेरी आयु भी बीस कर दें | मनुष्य ने कहा ' हे जगत-पिता आपने मुझे बीस वर्ष ही दिए हैं जो कि बहुत कम है कृपया मेरी आयु बढ़ा दें|

विधाता ने विचार किया और घोड़े, गधे और कुत्ते से २०-२० वर्ष की आयु लेकर मनुष्य को दे दी|
तब से मनुष्य बीस वर्ष तक अपनी जिंदगी जीता है, अगले बीस वर्ष तक घोड़े की तरह दौड़ता है, फिर वह साठ वर्ष तक परिवार का बोझ ढोता है ओर अस्सी वर्ष तक पारिवार की रखवाली करता है|
नाम:- कनिका स्वरुप
कक्षा:- बारहवीं 'D'

आया जाड़ा

सूट बर्फ का पहने आया,
रौब जमता जाड़ा ,
महल, अटारी, घर आगंन में,
इसने झंडा गाड़ा ।
उड़ा धूप का रूप कंटीला,
दिन-दिन पड़ती जाये पीली,
कल तक थी लपटों की माला,
आज हुई माचिस की तीली ।
बने मेमना सूरज दादा,
जाड़ा शेर दहाड़ा,
महल, अटारी, घर आगंन में,
इसने झंडा गाडा ।

नाम:- तनिष्का , कक्षा:- छटी 'अ'

प्यारा स्कूल

हमारा प्यारा केन्द्रीय विद्यालय,
जिसमें हम सब पढतें हैं
इस स्कूल में पढ़ लिखकर
हम सब आगे बढतें हैं
इस स्कूल की अध्यापिकाएं हमें,
नित नई शिक्षा देती है
ये हमारी प्यारी फुलवाड़ी
हम बच्चे इसके फूल हैं
यह स्कूल है हम सब को प्यारा
हम सब इसके प्यारें हैं
आकर यहाँ हम द्वेष –भाव जाते भूल
हमारा प्यारा स्कूल है , स्कूल है

नाम:- पूजा रानी
कक्षा:- बारहवीं 'D'

पांच मिनट का समय हुआ

एक व्यक्ति को रास्ते में यमराज मिले वह व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं सका यमराज ने पीने के लिए पानी माँगा और यमराज ने बताया कि वह यमराज है और उसके प्राण लेने आये हैं फिर भी वह व्यक्ति डरा नहीं और यमराज को पानी पिला दिया यह देख यमराज ने कहा मैं यमराज हूँ 'मैं यमराज हूँ यह जानकार भी तुमने मुझे पानी पिलाया है इसलिए तुम्हे किस्मत बदलने का एक मौका देता हूँ यह कहकर यमराज ने उसे एक डायरी देकर कहा तुम्हारे पास पाच मिनट का समय है इसमें तुम जो भी लिखोगे वो ही होगा ,लकिन ध्यान रहे केवल पाँच मिनट उस व्यक्ति ने डायरी खोली तो पहले पेज पर लिखा था कि उसके पडोसी कि लोटरी निकलने वाली है और वह करोड़पति बनने वाला हैं वहाँ उसने लिख दिया पडोसी कि लोटरी न निकले अगले पेज पर लिखा कि उसका दोस्त चुनाव जित कर मंत्री बनने वाला है उसने लिख दिया कि वह चुनाव हार जाये इसी तरह वह पेज पलटता रहा और अंत मे अपना पेज दिखाई दिया जसै ही वह कुछ लिखने लगा यमराज ने उसके हाथों से डायरी ले ली और कहा वत्स तुम्हारा पांच मिनट का समय पूरा हुआ अब कुछ नहीं हो सकता पूरा समय तुमने दूसरों का बुरा करने में निकाल दिया और अपना जीवन खतरे में दाल दिया अत: तुम्हारा अंत निश्चित है यह सुनकर व्यक्ति बहुत पछताया लेकिन सुनहरा समय निकल चुका था

कहने का अर्थ यह है कि यदि ईश्वर ने हमें कोई शक्ति दी है तो उसका लोगों की मदद करने में उनके बारें में अच्छा सोचने में उपयोग करो न कि बुरा हमेशा सबके साथ अच्छा व्यव्हार करो और एक अधिक महत्वपूर्ण बात हमेशा सब लोगों को खुश करना सीखो किसी को रुलाना नहीं हमेशा खुश रहना सीखो

नाम:- अभिषेक मालिक , बारहवीं 'स्'

बाई का जाड़ा

जन-जीवन अस्त-व्यस्त है बाई काम में मस्त है |
पोंछा बार-बार पानी में डुबाया कसकर निचोड़ा और लगाया |
फर्श आईने स चमकाया क्या जबरदस्त गलंत है|
बाई काम में मस्त है|
बर्तन रगड़ -रगडकर मांजे गिलास शीशे से निखारे|
सूरज का हुआ अंत है बाई काम में मस्त है|
भिगोया ,पीटा, मसला, धोया, झटका और सुखाया|
कपड़ों की किस्मत दुरुस्त है मौसम से तेरी भिडंत है |
बाई काम में मस्त है |
चुभन, पाला, ठिठुरन, ओस, कोहरा, सिहरन|
तेरी तबियत की बात मन गढंत है जीविका का प्रश्न ज्वलंत है|
बाई तू मशीन है या संत है बाई काम में मस्त है |

नाम:- चिनमई सिंह
कक्षा सातवीं 'स्'

समय का महत्व

समय ही जीवन है यह मानो,
समय की कीमत को पहचानों
एक बार यदि यह चला जाये,
गया समय फिर लौट न पाए|
सूर्य चंद्रमा और सितारे,
सदा निकलते समय से सारे
समय से ऋतुएं आती जाती
समय से कोयल गाना गाती|
समय का पालन कर पाओगे,
तब तुम कुछ बन जाओगे|

नाम:- पूजा रानी
कक्षा:- बारहवीं 'D'

अंधविश्वास

बहुत सालों पहले एक गाँव में एक रामनाथ नाम का बाबा आया l वहाँ के लोगों ने उसे बहुत सम्मान दिया l लोग उसके पास उपाय के लिए जाते और वह उपाय देता बदले में उनसे अन्न के दाने या सोना लेता और वह एक पेड़ के नीचे ही बैठा रहता था l एक बार एक शहरी लड़का उस गाँव में गया उसने देखा की इस गाँव के लोग उस बाबा को बहुत सम्मान देते हैं और मन ही मन में कहा कि यह लोग अन्धविश्वास में अच्छी तरह से फंस चुके हैं l एक बार एक औरत अपने बच्चे को लेकर उस बाबा के पास गई क्योंकि उसका बच्चा बहुत बीमार था l बाबा ने एक उपाय दिया कि अपने बच्चे को लेकर पांच बार घूमो 'तुम्हारे बच्चे के ऊपर साया है l' और जैसे ही वो घूमी उसने औरत का पर्स चुरा लिया l शहरी लड़का उस बाबा की जासूसी कर रहा था l औरत ने घर जाकर देखा कि उसका पर्स गायब था l शहरी लड़के ने औरत से कहा तुम्हारा पर्स बाबा के पास है, पर औरत ने उसका यकीन नहीं किया l लड़के ने बाबा को रोज़-रोज़ देखा,कभी वह लोगों को बेहोश करके उनके गहने लूट लेता तो कभी वह उलटे सीधे उपाय बता कर पैसे ठग लेता l एक दिन उस लड़के ने शहर से एक आधुनिक कैमरा मंगवाया और उस पेड़ के पास छुपा दिया l अगले दिन उसने लोगों को बुलाकर वह वीडियो दिखाई l उस वीडियो में बाबा अपने लुटे हुए सामान को छुपा रहा था l लोगों ने वीडियो पर यकीन नहीं किया l उन्होंने कहा हमारे भगवान समान बाबा ऐसा नहीं कर सकते,तभी लड़के ने अपना आखिरी दॉव चला l उनसे बाबा के बनाये गढ्डे को खोद कर दिखाया l तब जाकर लोगों ने अपनी चीजे देखकर उसका यकीन किया,तभी बाबा रामनाथ ने भागने की कोशिश की, तो उस लड़के ने पुलिस को बुलाकर बाबा को गिफ्तार करवा दिया l इस तरह से लोगों का अंधविश्वास उस लड़के ने दूर किया l हमें इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि -----
हमें किसी के साथ धोखा नहीं करना चाहिए l

पुलकित शर्मा , कक्षा-सप्तम 'अ'

कुछ महत्वपूर्ण बाते

१. सुबह ऊठ कर अगर आप भगवान को नमस्कार करना, भूल भी जाओ तो अपने माता पिता के पैर छू कर नमस्कार करना कभी मत भूलना l
२. हमेशा अपने बड़े भाई- बहन की इज्जत करें और उनकी सारी बातें माने l
३. हमेशा अपने गुरु की इज्जत करना और उनकी सारी बातें सुनना और सदा उनका आदर और सम्मान करना चाहिए l
४. दोस्ती कारण तो सिर्फ अपने माता – पिता, भाई-बहन और विद्या से क्योंकि ये सभी हमें सही रास्ता और सही सलाह देते हैं और हमेशा हमारे सहायक होते हैं l
५. अगर आप कभी भी किसी कार्य से कहीं जा रहें हैं तो रास्ते में मंदिर मिले और आप हाथ जोड़कर प्रणाम करना भूल जाए तो कोई बात नही परन्तु अगर आपको रास्ते में एम्बुलेन्स मिले तो हाथ जोड़कर भगवान से यह प्रार्थना जरुर करना की वह व्यक्ति ठीक हो जाये l आपमें से किसी की दुआ से शायद वह व्यक्ति ठीक हो जाये l
६. कभी भी आप लोग किसी की भावना से मजाक मत करना क्योंकि ऐसा मजाक सीधे दिल पर लगता है l
७. जिन लोगों ने हमारी खातिर अपना सब घर-भार सब कुछ त्याग दिया जैसे – शहीद भगत सिंह, राज गुरु, सुखदेव, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चन्द्र बोस, हमें इन को भी याद रखना चाहिए l इन लोगों हमें अपने दिल में बसा लेना चाहिए हम सब इनको मिलकर सत्-सत् नमन करते हैं l

नाम :- अभिषेक मालिक
कक्षा :- बारहवीं 'स'

होली का पैगाम

होली खुशियों का है पर्व
होता हमको इस पर गर्व l
मिलजुल कर रहना सीखो
ये है होली सन्दर्भ l
भाईचारे का गुणगान
खुशियाँ फैली चारों धाम l
अब ना लड़ेंगें,मिल के रहेंगे
होली में सब झूम उठे
कौन कन्हैया, कौन जमाल |
ढोल,मजीरा और मृदंग
अनुपम होली का हुडदंग |
बूढ़े, बालक और जवान
झूमे, गाएं सब मिल संग |
होली भारत का अभिमान
इसमें जीवन के सुर-ताल |
आओं, मिल खेले होली
होली भारत की शान ,
होली ही भारत की पहचान |

नाम – अविका , कक्षा – छठी – स

ए.पी.जे अब्दुल कलम

देश का सच्चा सपूत था वो,
जात-पात से परे नेक बंदा था वो,
फकीराना जिंदगी जीकर जिसने,
देश को ताकतवर बनाया |
सबसे चहिता राष्ट्रपति कहलाकर,
दिलो में अपनी जगह बनायीं,
नम आँखों को छोड़ वो,
अनगिनत यादो में बस गया|
मिसाइल मैन कहलाने वाला
अलविदा दोस्तों कह गया |

पिता

माँ घर का गौरव पिता घर का अस्तित्व होता है|
माँ के पास अश्रुधारा तो पिता के पास संयम होता है |
दोनों समय का भोजन माँ बनाती है तो जीवन भर भोजन की व्यवस्था करने वाले पिता को हम सहज भूल जाते हैं |
कभी लगी ठोकर या चोट तो "ओ माँ" ही मुंह से निकलता है |
लेकिन रास्ता पार करते कोई ट्रक पास आकार ब्रेक लगाये तो "बाप रे" यही मुंह से निकलता है |
क्योंकि छोटे- छोटे संकटों के लिए मान है पर बड़े संकट आने पर पिता ही याद आते हैं |
पिता एक वट वृक्ष हैं जिसकी शीतल छाँव में सम्पूर्ण परिवार सुख में रहता है|

नाम:- हिमांशी शर्मा
कक्षा:- नवी 'स'

तितली

हरी दाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली,
तितली उससे आकार बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली |
अब जागो तुम आँखे खोलो,
और हमारे संग खेलो,
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली-गली |
कली छिटक कर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुंदर बात,
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली |

नाम:- जसप्रीत कौर
कक्षा :- छटी 'ब'

मेरी माँ

जीवन दाता होती है माँ,
खुद से ज्यादा हमको चाहती है माँ,
हमको दिल में बसाकर रखती है माँ,
जीवन की हर खुशी देती है माँ |
अपने हाथों से खाना खिलाती,
अपनी बातों से फुसलाया करती,
सुख चैन सब अपना छोड़कर,
हमारी चिता में गुम हो जाती है माँ |
जिंदगी की राह दिखाती है माँ,
दो लफ्जों में अपना प्यार बयां कर जाती माँ,
जिंदगी के हर पड़ाव में साथ निभाती है माँ,
किस्मत वालों की होती है माँ |
दुआ मांगनी है यदि किसी के लिए,
तो मांगो उस माँ के लिए,
जिसने हमको चलना सिखाया,
हमें काबिल और स्वावलंबी बनाया |
कठिनाइयों से जूझकर,
पैदा किया है उस माँ ने हमें,
सुन-सुन के ताने लोगों के,
बचाया करती थी हमें,
सलामी के लायक है ये माँ,
प्रेरणादायक होती है एक माँ |

नाम:- हिमांशी शर्मा
कक्षा:- नवी 'स'

माँ

रेंगते- रेंगते घुटनों से,
हुआ पैरों पर कब खड़ा,
तेरी ममता की छाँव में,
जाने कब बड़ा हुआ?
काला टीका, दूध मलाई,
आज भी सब कुछ वैसा ही है |
मैं ही मैं हूँ हर जगह,
प्यार ये तेरा कैसा है |
कितना भी हो जाऊं बड़ा,
"माँ"! मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ |

नाम:- अवि चौधरी
कक्षा:- सातवीं 'अ'

सुविचार

१. इकलौता तरीका महान काम करने का ये है कि आप अपने कार्य से प्यार करें |
२. जब सब कुछ आपके विरुद्ध हो जाये, तब ये याद रखिये की हवाई जहाज हवा के विरुद्ध ही उड़ान भरता है |
३. या तो आप अपने सपने पूरे कीजिए या कोई और आपसे उसके सपने पूरा करवाएगा |
४. सफल लोग हमेशा दूसरों की मदद के लिए अवसर तलाशतें हैं और वहीँ 'असफल' लोग कहतें हैं, 'इससे भला मेरा क्या फायदा' |
५. इन्तजार करना बंद करो, क्योंकि सही समय कभी नहीं आता |
६. अच्छी जिंदगी जीने के दो ही तरीके हैं, जो पसंद है उसे हासिल कर लो, जो हासिल है उसे पसंद करना सीख लो |
७. क्रोध सागर की तरह बहरा, अग्नि की तरह उतावला होता है, क्रोध बड़ा जालिम है |
८. कभी भी सफाई न दें, आपके दोस्तों को इसकी आवश्यकता नहीं है और दुश्मनों को विश्वास नहीं होगा |
९. उत्तम शिक्षा कीड़े से भी मिले तो लेने में संकोच नहीं करना चाहिए |

नाम:- कनिका स्वरुप
कक्षा:- बारहवीं 'D'

कर भला तो हो भला

एक नगर में एक व्यापारी रहता था | व्यापारी का नाम उपेन्द्र था | उपेन्द्र कपडे का व्यापार करता था| वह बुरा आदमी तो न था, पर अपने व्यापार में चतुराई से काम लिया करता था | उपेन्द्र प्रतिदिन सवेरे मंदिर में जाकर भगवान की मूर्ति का दर्शन किया करता था| जाड़ा हो, गर्मी हो, बरसात हो, उपेन्द्र सवेरे मंदिर अवश्य जाया करता करता था| जाड़े के दिन थे, सवेरे के समय उपेन्द्र भगवन की मूर्ति के दर्शन करके मंदिर की सीढियों से नीचे उतर रहा था| सबसे निचली सीडी के पास एक वृद्ध भिखारी ने उपेन्द्र के सामने हाथ फैला कर कहा- " कर भला, तो हो भला"! उपेन्द्र खड़ा होकर सोचने लगा, " कर भला, तो हो भला" | जो अच्छा काम करता है, दूसरों की भलाई करता है, उसका भी भला होता है| उस दिन उपेन्द्र का इनकम टैक्स का मुकदमा था| उसे लगता था मुकदमें का फैसला उसके पक्ष में न होगा| उसने सोचते-सोचते वृद्ध भिखारी के हाथ में दस पैसे रख दिए वृद्ध भिखरी ने उपेन्द्र की ओर देखते-देखते कहा, "कर भला" | उपेन्द्र चला गया | वह खा-पीकर समय पर न्यायालय पहुंचा | वह मन-ही-मन डर रहा था, कहीं ऐसा न हो फैसला उसके विरुद्ध हो, उसे जुर्माने की सजा भोगनी पड़े| पर जब मुकदमा शुरू हुआ तो सब कुछ सुनने के बाद हाकिम ने फैसला उपेन्द्र के पक्ष में सुनाया | उपेंद प्रसन्न हो उठा | उस दिन से उसकी 'कर भला , तो हो भला' में अधिक आस्था हो गयी | वह बात – बात पर कहने लगा कर भला तो हो भला | केवल कहने ही नहीं लगा, व्यव्हार में भी लाने लगा |

नाम:- परमजीत सिंह
कक्षा:- सातवीं 'अ'

स्वच्छ भारत

अपने घर को दिवाली पर रंगों से सजवाते हो,
जिस धरती पर जनम लिया है गंदगी वहीँ फैलाते हो |
सोच बदले देश बदले सोना इसे बनाने को,
चलो साथियों निकले अब भारत को स्वच्छ बनाने को |
मोदी जी ने कमर कसी है उसकी तो तैयारी है,
राजा आज हो गए आगे अब प्रजा की बारी है |
मात्र भूमि को जन्नत करने और सुन्दर करने,
चलो साथियों निकले अब भारत को स्वच्छ बनाने को |
नाम:- प्रशांत भाटी
कक्षा:- छटी 'स'

फौजी की महानता

- हर डॉक्टर चाहता है की हर व्यक्ति मरीज हो |
- हर वकील चाहता है की हर व्यक्ति मुजरिम हो |
- हर पुलिसवाला चाहता है कि हर व्यक्ति गुनहगार हो |
- हर नेता चाहता है की हर व्यक्ति भोला-भाला हो |
- हर पंडित चाहता है कि हर व्यक्ति टोटके और अन्धविश्वास में खोया रहे|
- हर तांत्रिक चाहता है कि हर व्यक्ति भूत प्रेतों में विश्वास करे |
- लेकिन एक फौजी ऐसा व्यक्ति है जो चाहता है की हर व्यक्ति अपने घर में सुख और शांति से रहे और अपने परिवार के साथ खुश रहे |

जय हिंद जय भारत

नाम:- अभिषेक मालिक
कक्षा:- ग्यारहवीं 'स'

पिता

पिता जीवन है, संबल है शक्ति है,
पिता सृष्टि के निर्माण की अभिव्यक्ति है,
पिता ऊँगली पकड़े बच्चे का सहारा है,
पिता कभी कुछ खट्टा खारा है |
पिता पालन है, पोषण है, परिवार का अनुसाशन है,
पिता धौंस से चलने वाले प्रेम का प्रकाशन है ,
पिता रोटी है, कपड़ा है, मकान है,
पिता छोटे से परिंदे का आसमान है |
पिता अपनी इच्छाओं का धन और परिवार की पूर्ति है,
पिता रक्त में दिए हुए संस्कारों की मूर्ति है,
पिता एक जीवन का दान है,
पिता दुनिया दिखाने का एहसान है|
विश्व में किसी भी देवता का स्थान दूजा है,
माँ-बाप की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है,
विश्व में किसी भी तीर्थ की यात्राएं व्यर्थ हैं,
यदि बेटों के होते माँ-बाप असमर्थ हैं|

स्वच्छता अभियान

मैं नहीं तू, तू नहीं मैं,
सदा ही करते तू-तू मैं-मैं|
करो कभी कोई अच्छा काम,
देश की धरती पर है, सबका अधिकार,
फिर क्यों है इसकी सफाई से इंकार|
नहीं है कोई बहुत बड़ा उपकार,
बस करना है जीवन में बदलाव |
शहर को मानकर घर अपना,
निर्मल स्वच्छ है उसे भी रखना|
कूड़े दान में फेंको कूड़ा,
हर जगह न फेंको कूड़ा |
थूकने को नहीं है धरती मैय्या,
बदलो अपनी आदत भैय्या |
न करो किसी पड़ोसी का इन्तजार,
देश है अपना बढाओ स्वच्छता अभियान |

नाम:- वंशिका चौधरी
कक्षा:- सप्तम 'ब'

वो खुशनसीब हैं, माँ-बाप जिसके साथ होते हैं,बच्चे,
माँ-बाप के आशीषों के हजारों हाथ होतें हैं, बच्चे|

नाम:- सोनम लोहिया
कक्षा:- आठवीं 'ब'

वृक्ष बचाओ

आओ हम सब वृक्ष लगाएं,
इस धरती को स्वर्ग बनायें |
अधिकाधिक वृक्ष लगाएंगे,
तो पर्यावरण शुद्ध बनायेंगे|
वृक्षों में भी जीवन होता,
मानव को हर चीज(समान) है देते|

फल, फूल, लकड़ी हैं देते,
वृक्षों से औषधि है मिलती |
वर्ष काट जंगल कम करता,
परोपकार नर जाता भूल |
अगर वृक्ष लगाओगे तो हरियाली पाओगे,
वृक्ष काट देगा मानुष तो हरियाली मिट जायेगी|
इस धरती पर प्यारे बच्चों जीवन वायु को लाना है,
वृक्ष लगाओ, वृक्ष न काटो धरा को स्वर्ग बनाना है |
इस प्रकृति की रक्षा करना यह संकल्प हमारा है,
प्रकर्ति के निर्माणकर्ता को नत मस्तक हमारा है |
नाम:- सुरभी गौतम
कक्षा:- सातवीं 'अ'

माँ

जिसने मुझको जन्म दिया,
पाल पोसकर बड़ा किया|
दु:खो को हंसकर सदा-सहा,
सच्चा प्यार मुझे दिया|
मेरे दिल में उस माँ को,
सबसे ऊंचा स्थान रहे|
मेरा मन प्रभु सबसे पहले,
उस माँ का सम्मान करे|
उसके चरणों के धुल सदा,
मेरे माथे पर सजी रहे|
पल दो पल का यह जीवन,
सेवा में उसकी लगा रहे|
पथ यदि भटकू तो,
रहा मुझे तुम दिखलाना|

मान लीजिए आप

बस में १० सवारियों के साथ सफर कर रहें हैं |
पहले स्टैंड पर ५ सवारी उतारी और ४ सवारियां चढ़ी |
दुसरे स्टैंड पर ५ सवारी उतारी और २ सवारियां चढ़ी |
अब बताओ कि कितनी सवारियां सफर कर रहीं हैं ?
उत्तर:- ११ (१० सवारी और १ आप)

नाम:- अभय सिंह
कक्षा :- छटी 'ब'

आशीष सदा ही हो माँ का,
जग ने जिसको देवी माना|

पूजा रानी
XII D

चुटकुले

१-कार से टकरा कर कबूतर बेहोश हो गया|
एक आदमी उसे उठाकर घर ले गया और पिंजरे में डाल दिया|
कबूतर को होश आया और बोला- आयला जेल हो गयी क्या?
२-पप्पू केमिस्ट्री का एक्सजाम देने गया,पेपर में सवाल पूछा गया:कौनसा लिक्विड गरम करने पर सोलिड बन जाता है?
पप्पू का जवाब: बेसन के पकोडे|
३-गप्पू: आज में सब्जीवाले से ५ रुपये में तीन प्याज लेकर आया हूँ|
दुब्बू:कैसे? प्याज बहुत महंगी है.....
गप्पू:सब्जी वाले ने मुझे पांच रुपये में एक प्याज दी थी, तो एक में ठेले से उठाकर भगा और एक उसने फेककर मारी|
४-पत्नी ने दूर खड़े पति को ऊँगली के इशारे से बुलाया|
पति:बोलो क्या काम है?
पत्नी:कुछ नहीं बस ऊँगली कि ताकत चेक कर रही थी|

चिन्मय सिंह, सप्त्मी स

हँसना सीखो

पुलिस तोतले से: इस बैग में क्या है?
तोतला : बताते है बताते है |
पुलिस :तोतले को पिटते है और फिर खोलते है तो उसमे बताशे होते है फिर पुलिस कहते है कि इसमें तोह बताशे है|
तोतला : मैंने कहा था ना , बताते है बताते है|
२-एक लड़का ट्यूबलाइट पर अपने पापा का नाम लिख रहा था|
पड़ोसी:- अरे टुन्नु पागल हो गए हो क्या ये क्या कर रहे हों ?
टुन्नू :- कुछ नही अंकल जी मै बस अपने पिताजी का नाम रोशन करने की कोशिश कर रहा हूँ|
३. बच्चा :- कंप्यूटर पर काम कर रहा था |
चाचा :- बेटा ! क्या कर रहे हो ?
बच्चा :- चाचा मैं गूगल पर सर्च कर रहा हूँ|
चाचा :- बेटा चार दिन पहले मेरी भैस खो गयी थी उसको गूगल पर सर्च करके ट्रक में लोड करवा दो |

हिमांशी शर्मा, नवी " स"

चुटकुले

१. आदमी (लड़के से) – तुम्हे पता है हमारे भारत पर हमला हों रहा है |

लड़का:- कोई बात नहीं, हम तों उत्तर प्रदेश में रहते हैं|

२. कुछ चूहे कबड्डी खेल रहे होते हैं | तभी एक हाथी उनके पास आ रहा होता है| ससभी चूहे पेड़ पर चढ जाते हैं | तब हाथी पेड़ के नीचे आता है तों एक चूहा उसकी पीठ पर गिर जाता है | सभी चूहे बोलते हैं दबोचले! दबोचले !
३. एक बच्चा पेड़ पर चढ़कर आम खता है | तभी उस पेड़ का मालिक आकार बोलता है अच्छा! मेरे आम खता है बता कहाँ है तेरे पापा | मुझे उनसे तेरी शिकायत करनी है | बच्चा वो रहे दुसरे पेड़ पर आम कहा रहें हैं |
४. यात्री (ऑटो वाले से)- आगरा चलोगे |

ऑटो वाला – जी साहब

जैसे ही यात्री बैठता है तभी ऑटो पलट जाता है।

आदमी- भाई साहब ज़रा ठीक से चलिए मैं ऑटो में पहली बार बैठ रहा है|

ऑटो वाला- आप फिकर मत करिये सर, मैं भी पहली बार ऑटो चला रहा हूँ|

परमजीत, कक्षा- आठवीं 'अ'

'अनकहे सच्चे अलफाज'

ठोकरें खा कर भी ना समझे तो
मुसाफिर का नसीब.....
वरना जनाब ! पत्थरों ने तो अपना
फर्ज निभाया था.....
जिन्दगी जब 'मायूस' होती है,
तभी 'महसूस' होती है.....
कपड़ो से तो सिर्फ पर्दा होता है साहब!!
हिफाजत तो निगाहों से होती है.....
जरूरी नही सारे सबक किताबो से सीखें,
कुछ सबक जिन्दगी और रि"तें भी सिखा देते हैं।.....
उम्मीदों का दामन थाम रहे हो तो होसला कायम रखना,
क्योंकि जब नाकामियॉ चरम पर हो तो तभी कामयाबी करीब होती है!
मुसीबत सबके ऊपर आती है,
कोई 'बिखर' जाता है तो कोई 'निखर' जाता है।।
नाम– कपिल राठी
कक्षा– ग्यारहवी 'स'

आया होली का त्यौहार

रंग–रंगीली मस्ती वाला
आया है होली का त्यौहार
प्रेम–भाव से इसे मनाये,
न हो कोई भी तकरार।

रंग–बिरंगे इस पर्व पर,
होता बिना किये श्रृगांर,
नाचे गाये ढोल बजाये,
हम बच्चो की टोली भरमार।

रंग लगाये एक–दूजे को,
करें प्रेम रस की बौछार,
जाति–मजहब सब भूले आज,
बड़ों का आदर, छोटों को दे प्यार।

रीत, प्रीत, गीत–मीत और
रंग –उमंग, तरंग, उपहार,
भेदभाव मिटाने दिल का,
आता है होली का त्यौहार।

नाम– जितेन्द्र शर्मा
कक्षा– 6 'सी'

क्रिकेट (प्र"न/उत्तर)

1. सचिन तेंदुलकर का पहला टेस्ट इस खिलाड़ी का भी पहला टेस्ट मैच था–
(१) वसीम अकरम (२) सौरभ गांगुली
(३) बकार यूनुस (४) ब्राइन लारा

2. भारत के पहले टेस्ट कप्तान थे–
(१) लाला अमरनाथ (२) सी के नायडू
(३) अमर सिंह (४) विजय हजारे

3. भारत की तरफ से सबसे ज्यादा 200 टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ी का नाम है–
(१) सुनील गावस्कर (२) कपिल देव
(३) अनिल कुंबले (४) सचिन तेंदुलकर

4. १९७५ में आयोजित पहले एक दिवसीय वि"व कप को किस दे"ा ने जीता था–
(१) भारत (२) वेस्टइंडीज
(३) आस्ट्रेलिया (४) इंग्लैंड

5. भारत ने पहला टेस्ट मैच किस साल में खेला था–
(१) १९३४ (२) १९३३
(३) १९३२ (४) १९३१

उत्तर :– ;1द्ध (१) बकार यूनुस ;2द्ध (२) सी के नायडू ;3द्ध (४) सचिन तेंदुलकर ;4द्ध (२) वेस्टइंडीज ;5द्ध (३) १९३२

नाम– दीपान्"ाू जादौन कक्षा– 9 बी

नारी

किन शब्दों में दूँ परिभाषा
हर शब्द तुमसे छोटा लगता है
सरस्वती सी ज्ञान की गंगा
लक्ष्मी का भण्डार तुम्ही हो
सुबह की बेला दिन की धूप
गोधूलि की शाम तुम्ही हो
थके पथिक की अंक शायनी
रात्रि का विश्राम तुम्हे हो
हे नारी यह दुनिया तुमसे
तुम इन सबकी जननी हो।

नाम – तनिष्का
कक्षा – छठी 'अ'

आँखों मे क्या है ?

1. पिता की आँखों मे = फर्ज
2. माता की आँखों मे = ममता
3. भाई की आँखों मे = प्यार
4. बहन की आँखों मे = स्नेह
5. अमीर की आँखों मे = सम्पन्नता
6. गरीब की आँखों मे = आज्ञा
7. मित्र की आँखों मे = सहयोग
8. गुरू की आँखों मे = दया
9. ि"ाष्यों की आँखों मे = आदर
10. मालिक की आँखों मे = आदे"ा

नाम– तनिष्का
कक्षा – छठी 'अ'

स्वास्थ्य मंत्र

आज और पहले के समय में बहुत से बदलाव आये हैं। एक बदलाव हमें सेहत के मामले में भी देखने को मिलता है। पहले मनुष्य की औसत आयु 100 वर्ष थी जो अब घट कर 60 वर्ष के लगभग रह गयी है। कारण सिर्फ एक है खानपान और तनाव। पहले इलाज घरेलु जड़ी बूटियों से हो जाता था आज उसी इलाज के लिये लाखों खर्च करने पड़ते है। प्रस्तुत प्रसंग में कुछ उपाय ऐसे हैं जिन्हें अपना कर हम अपनी जीवन"ौली को सुखमय और स्वस्थ बना सकते हैं। क्योंकि ये नुस्खे पुरान जमाने में अपनाये जाते थे तो इन्हे 'दादी माँ के नुस्खे' कहना ठीक रहेगा।–

1. प्रातः काल पानी पियें
   घूँट घूँट कर आप।
   बस दो तीन गिलास हैं
   हर औषधि का बाप।।
2. सुबह खाइये कुंवर सा
   दुपहर यथा नरे"ा
   भोजन लीजे रात में
   जैसे रंक सुरे"ा
3. प्रातः काल फल रख लो
   दुपहर लस्सी छास
   सदा रात में दूध पी
   सभी रोग का ना"ा
4. फल या मीठा खाइके
   तुरंत ना पीजै नीर
   ये सब छोटी आंत में
   बनते विषधर तीर
5. तुलसी का पत्रा करे
   यदि हरदम उपयोग
   मिट जाते हर उम्र में
   तन के सारे रोग
6. घूट–घूट पानी पियो
   रह तनाव से दूर
   आसीडिटी था मोटापा
   होवे चकना चूर
7. रक्त्रचाप बढ़ने लगे
   तब मत सोचो भाषा
   सौगंध राम की खाइके
   तुरंत छोड़ दो चाय।।
8. पहला स्थान सैंधा नमक
   पहाड़ी नमक सुजान।
   श्वेत नमक है सागरी
   यह जहर समान।।
9. देर रात तक जागना
   रोगो का जंजाल।
   अपच आँख के संग
   तन भी रहे निढ़ाल।।
10. भोजन करके रात में
    घूमें कदम हजार।
    डाक्टर, वैद्य, ओझा का
    लुट जाये व्यापार।।
11. भोजन करके खाइये
    सौंफ, गुङ, अजवाइन।
    पत्थर भी पच जाएगा
    जौन सकल जहान।।

नाम – कपिल राठी
कक्षा– ग्यारहवी 'स'

मित्रता

1. मित्रता ऐसी हो जैसे
हाथ और आँखें
क्योंकि
हाथ को चोट लगने पर
आँखों से पानी आता है
और
आँखों में पानी आये तो
उसे पौछने को हाथ ही
आगे आते हैं।

2. मित्रता ऐसी हो जैसे
दूध और पानी
क्योंकि
पानी दूध में मिलकर समा जाता है।
अपना स्वरूप खो देता है।
दूध पानी को अपने मोल
बाजार में बिकवाता है।
दूध उबलने पर पहले पानी उड़ता है।
पानी को अपने से अलग होते देख उबलता दूध गिरकर आग बुझाता है।
फिर पानी के कुछ छींटें पा वह शांत हो जाता है।

रूद्र सिवाच, बारहवीं 'स'

पक्षी

पक्षी प्रकृति की छटा को पहचानते ,
हम मूर्ख प्राणी ये न है जानते
पक्षी अनोखे सन्देश हैं लाते,
काश कि हम उनको पढ़ पाते ||
पक्षी होते हैं बड़े प्यारे,
हैं इनके सब रंग बड़े अच्छे और प्यारे |
पर मनुष्य इनके रंग को न पहचाने,
यह इनको नष्ट करना चाहे ||
मनुष्य करता है इनको बेघर,
काटकर प्रकृति के अनमोल वृक्ष
पक्षियों का चहचहाना ,
दुनिया में भरता है रंग सुहाना ||

विशाल कुमार
आठवीं 'अ'

क्या आप जानते हैं

पहली महिला राज्यपाल कौन थी ?
कागज़ का अविष्कार कौन से देश में हुआ ?
भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी कब दी गई थी ?
पुष्कर मेंला किस राज्य में लगता है ?
संसार का दूसरा बड़ा डेसर्ट ?
संसार का दूसरा बड़ा देश ?
संसार की सबसे बड़ी नदी ?
उत्तर
सरोजिनी नायडू ,चीन, २३ मार्च १९३१, राजस्थान में, सहारा डेजर्ट, रूस, नील

जतिन कुमार, छठी 'स'

अजीब है न

- २० रूपये का नोट कितना ज्यादा लगता है जब किसी गरीब को देना हो, कितना कठिन है|
- तीन या चार घंटे के लिए होटल जाना कितना अच्छा लगता है पर तीन मिनट के लिए भगवान को याद करना कितना कठिन लगता है |
- तीन घंटे फिल्म देखना कितना अच्छा लगता है औए पूरे दिन के बाद जिम जाने से नही थकते पर माता पिता के पैर दबाना कितना कठिन लगता है |
- वैलेंटाइन डे के लिए हम पूरे साल इंतजार करते हैं पर मदर –डे , फादर – डे कब है हमें पता नहीं |
- एक रोटी नहीं दे सका उस मासूम को लेकिन तस्वीर लाखों में बिक गयी जिसमें रोटी के लिए बच्चा उदास बैठा है |
- लोग रोज नए-नए कपडे पहनते हैं और एक बार कपडे पहनकर फैंक देते हैं पर कभी उन लोगों के बारे में सोचा है जिनके पास कपडे नहीं हैं |
- आज-कल के लोगों के तों हीरो शाहरुख , सलमान, आमिर खान हैं पर असली हीरो तों फौजी हैं जो अपनी जान पर खेल कर अपने देश के लोगों की रक्षा करते हैं |

नाम- विशाल कुमार
कक्षा – आठवीं 'अ'

वक्त

इस वक्त को तों अब बताएँगे हम,
जब इससे भी आगे बढ़ जायेंगे हम |
हौंसलों की दास्ताँ तों सुनी है बहुत,
लेकिन अपना जज्बा तों दिखायेंगे अब |
समुंदर में उतरना तों फितरत है इंसान की,
इस समुंदर से भी मोती लायेंगे हम |
उड़ना है तों ऐसे उड़ो कि आसमान भी कहे,
कि मुझे भी ऐसा उड़ना सीखाओगे कब |

दुनिया लगेगी इतनी छोटी जब हमें,
इस दुनिया में भी अव्वल बन जायेंगे हम|
ये परेशानियां पूछती रहेंगी पता हमारा,
क्योंकि इन्हें हवाओं में यूँ ही उड़ाएंगे हम |
ये वक्त टकटकी लगाकर देखता रहेगा हमें,
इसे पता है कि पीछे इसे भी छोड़ जायेंगे हम |
नाम:- साध्वी सिंह, कक्षा:- छठी 'स'

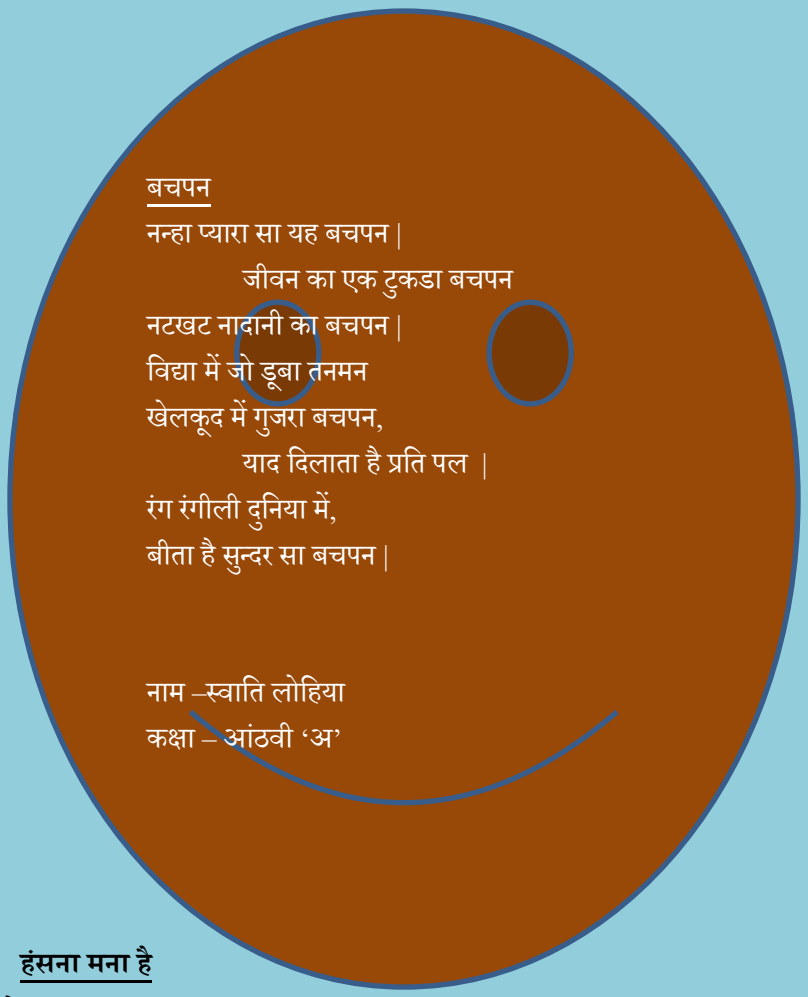

बचपन
नन्हा प्यारा सा यह बचपन |
जीवन का एक टुकडा बचपन
नटखट नादानी का बचपन |
विद्या में जो डूबा तनमन
खेलकूद में गुजरा बचपन,
याद दिलाता है प्रति पल |
रंग रंगीली दुनिया में,
बीता है सुन्दर सा बचपन |

नाम –स्वाति लोहिया
कक्षा – आंठवी 'अ'

हंसना मना है

संता कार धो रहा था तभी पास से आंटी गुजरी और पूछा –" कार धो रहे हो?"
संता : नहीं पानी पिला रहा हूँ, शायद बड़ी होकर बस बन जाए..|
पत्नी : मैं आपसे बात नहीं करूंगी |
पति : ठीक है ||
पत्नी : क्या तुम कारण नहीं जानना चाहते ?
पति : नहीं, मैं तुम्हारे फैसले कि इज्जत करता हूँ|
पप्पू 15 मिनट में ही पेपर छोड़ कर जाने लगा |
टीचर : क्या हुआ पेपर नहीं आता क्या ?
पप्पू : वो बात नहीं है | मैं जिसके भरोसे आया था वो खुद मुझसे पूछ रहा था |
यमराज : बेटी बता कहाँ जायेगी नरक में या स्वर्ग में |
लडकी : धरती से बस मेरा मोबाइल और चार्जर मंगा दो | मैं तो कहीं भी रह लंगी |

पहेलियाँ

1. काली काली माँ , लाल लाल बच्चे |

जिधर जाए माँ , उधर जाये बच्चे ||

2. बीमार नहीं रहती मैं, फिर भी खाती गोली |

बच्चे बूढ़े सब डर जाते, सुनकर इसकी बोली||

3. अगर नाक पर चढ जाऊं, कान पकडकर तुम्हें पढ़ाऊं|

4. दुनिया भर की करता सैर, धरती पर न रखता पैर |

दिन में सोता रात में जगता, रात अंधेरी मेरे बगैर ||

५. धूप देख मैं आ जाऊं, छाँव देख मैं सरमा जाऊं

अगर हवा करे मुझे स्पर्श मैं उसमें समां जाऊं ||

उत्तर

1. रेलगाड़ी
2. बन्दूक
3. चश्मा
4. चाँद
5. पसीना

नाम – ध्रुव कुमार

कक्षा – सातवीं ' अ'

पहेलियाँ

1. हरा चोर लाल मकान उसमें बैठा काला शैतान

गर्मी में वह है दिखता सर्दी में गायब हो जाता | बताओ क्या ?

2. आग लगे तो पानी बहे पानी गिर जम जाए

दूजो को दे रोशनी अपना बदन जलाए |

3. अगर एक मुर्गा सुबह अंडा देता है तो उसके मालिक को वो कब मिलेगा?

4. रंग बिरंगा बदन है इसका कुदरत का वरदान मिला

इतनी सुंदरता पाकर भी दो अक्षर का नाम मिला

ये वन में करता शोर इसके चर्चे हैं हर ओर | बताओ कौन ?

5. एक नगरी में चौंसठ घर दो पास बैठे भर

चाव उस नगरी का यह स्वभाव कटे – मरें लगें न घाव ||

6. सर छोटा और पेट बड़ा तीन टांग पर रहे खड़ा

खाता हवा और पीता तेल फिर दिखलाता अपना खेल ||

उत्तर

1. तरबूज
2. मोमबत्ती
3. कभी नहीं क्योंकि मुर्गा अंडा नहीं देता|
4. मोर
5. शतरंज
6. स्टोव

नाम – सुमित कुमार, कक्षा–छटी'स'

बताओ तो जाने

1. सबसे अच्छा मित्र हमारा, देता है अनुभव और ज्ञान |

सही गलत का भेद बताये, बनाये हमें सच्चा इंसान ||

2. चलती है पर रहे खड़ी, दीवार पर कहीं भी सटी पटी |

उसे देख सब काम पर भागें , बुझो तो क्या वह चीज बड़ी ||

3. सफेद हूँ पर दूध नहीं, ठंडी हूँ पर बर्फ नहीं |

मीठी हूँ पर चीनी नहीं, बताओ मैं कौन हूँ ||

उत्तर:- पुस्तक, दीवार की घड़ी , चाँदनी

निशांत सिंह. षष्टी 'स'

बताओ तों जाने

१. सबसे अच्छा मित्र हमारा ,
देता है अनुभाव और ज्ञान ,
सही गलत का भेद बताये ,
बनाये हमें सच्चा इंसान |
चलती है पर रहे खड़ी,

२. दीवार पर कहीं भी सटी पटी ,
उसे देख सब काम पर भागें ,
बुझो तों क्या वह चीज बड़ी |

३. सफ़ेद हूँ पर दूध नहीं
ठंडी हूँ पर बर्फ नहीं,
मीठा हूँ पर चीनी नहीं,
बताओ मैं कौन हूँ|

उत्तर
१ पुस्तक २ दीवार कि घडी ३ चाँदनी
निशांत सिंह
षष्ठी 'स'

बताओ तो जानें

१. कौन सा जानवर है जो घायल होने पर आदमी की तरह रोता है?
२. वह कौन सा जानवर है जो खतरा महसूस होने पर अपने बच्चे को पेट में छिपा लेता है और फिर निकाल देता है?
३. कौन सा पक्षी है जो बिना पैर के काफी तेज दौड़ता है ?
४. विश्व में कौन सा देश है जहाँ सफ़ेद हाथी पाए जाते हैं ?
५. विश्व के काले रंग के हंस किस देश में पाए जाते हैं ?
६. एईसी कौन सी गैस है जिसको सूंघने पर मनुष्य केवल हंसता ही रहता है ?
७. एसा कौन सा वृक्ष है जिसमे लकडी नहीं होती?

उत्तर:- भालू, कंगारू, सर्प, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, नाइट्रस आक्साइड, केले का पेड़ चिन्मई सिंह,सप्तमी ' स'

संस्कार उन्नति के कारक

बचपन कितना सुन्दर तथा मोहक होता है। बच्चे की कोमलता, चंचलता कितनी मधुर तथा मन को खु"ा करने वाली होती है। उसके छोटे हाथ इतने चंचल होते हैं कि उनको देखकर ऐसा लगता है कि वे सब कुछ कर गुजरने की शक्ति रखते हैं उसके छोटे छोटे पैर पूरी दुनिया को एक करने का उत्साह रखते हैं उसकी छोटी हथेली कितनी ही कहानियाँ कह देती है। इस भागती दौड़ती जिन्दगी में थके हारे माता पिता जब घर लौटते हैं तो बच्चे की तोतली बोली और उसका स्प"ार्ा उसकी थकान को दूर कर देता है।

बाल्यकाल अलमस्त होता है इस अवस्था में बालक के पास कोई पीड़ा नाम की चीज नहीं होती। वह गिरना और गिरकर उठना ही उसकी दिनचर्या होती है। खेल की दुनिया में मस्त बच्चा किसी भेदभाव को नहीं जानता। उसके मन में कोई अपने पराये का भाव नहीं होता। वह सबको अपना मानता है। वह अड़ोस पड़ोस को अपना घर मानता है उसे केवल प्यार चाहिए। वह प्रेम की भाषा जानता है। समझता है, वह रोता है सिसकता है तो केवल प्रेम के लिए। बच्चे अपनी माँ की गोद में सुकून तथा सुरक्षा महसूस करते हैं। इसका कारण कभी मॉ से मिलने वाला स्नेह दुलार ही है।

बचपन में बच्चा किसी लड़ाई झगड़े को, ईर्ष्या द्वे"ा को नहीं जानता। उसके झगड़े मिनटों में सुलझ जाते हैं। जिद करना उसकी आदत होती है। पर जिद पर अड़े रहना उसको नहीं आता है वह अपनी हर इच्छा पूर्ति की आ"ाा माता पिता से करता है। उसे पता होता है कि उसके माता पिता उसकी सब इच्छा पूरी कर सकते हैं। वह जब छोटा होता है तो वह किसी से नहीं डरता क्योंकि वह सारी दुनिया को अपना समझता है।

आज आदमी अंतरिक्ष और चाँद की यात्रा कर आया है लेकिन वह अपने बचपन की मधुर यादों को अपने हृदय में संजोए है उन्हे नहीं भूल पाता है। हर व्यक्ति का बचपन उसकी प्रेरणा का स्त्रोत रहता है। बचपन की प्रवृत्तियाँ ही मनुष्य की प्रेरणा का स्त्रोत होती हैं। बचपन की छोटी–छोटी भूलों से ही वह अनुभव अर्थात ि"ाक्षा ग्रहण करता है। महात्मा गाँधी ने अपनी बाल्यावस्था में ही सत्य को अपना पथप्रद"ार्क बनाया या अपनी गलती को स्वीकार करने का गुण भी उन्होने बचपन से ही अपनाया था। और उसे अंत तक निभाया भी। पूर्व राष्ट्रपति ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम ने बचपन में मिसाइल–निर्माण का जो सपना देखा उसे पूरा किया।

वास्तव में बच्चे का बचपन उसके भविष्य की नींव है। यह उस पौधे की जड़ है जिस पर वि"ाल वृक्ष रूपी जीवन खड़ा होगा। बचपन को सुन्दर, व्यवस्थित, प्रभाव"ाली बनाने का काम घर के बड़े लोगों का है। घर के लोग घर का अच्छा वातावरण देकर तथा बच्चों को उचित मार्गद"ार्न देकर उसका भविष्य संवार सकते हैं। आज का बच्चा कल का नागरिक है उसके कंधों पर दे"ा का भविष्य है। बच्चों में अच्छे संस्कार डालना अति आव"यक है। उसी से दे"ा तथा समाज प्रगति पथ पर अग्रसर होगा।

सरिता रानी , पी.जी.टी.(हिंदी)

पहेलियां

1. ऐसी कौन सी कली है जो खिलती नहीं है |
2. छोटा सा धागा सारी बातें ले भगा |
3. ऐसा कौन सा गेट है जिसमे कोई घुस नहीं सकता |
4. तीन पैर की तितली तेल में सिकी |
5. माँ काली बेटी गोरी |
6. तू चल मैं आयी |

उत्तर:- छिपकली, टेलीफोन, कोलगेट , समोसा, तवा और रोटी , जूता

नाम – तनिश, कक्षा – चार (अ)

कविता (प्यारी सुबह)

ऐ सुबह " तुम जब भी आना
सब के लिए बस खुशियाँ लाना
हर चेहरे पर हंसी सजाना
हर आंगन में फूल खिलाना
जो रोया है उन्हें हँसाना
जो रूठे हैं उन्हें मनाना
ओ प्यारी सुबह "तुम जब भी आना
सब के लिए बस खुशियाँ लाना
नाम – गरिमा रानी
कक्षा – आठवीं 'ई'

देश की बेटी कल्पना

चाहे तो क्या नहीं कर सकती हैं बेटियाँ,
कल्पना जैसे, देश का सर ऊँचा कर सकती हैं बेटियाँ
गई थी अंतरिक्ष में एक परी हिदुस्तान से
आंसमा था सपना उसका गई थी ढूँढने भेद अनजान से |
ले भी आई थी जवाब कितने सवालों के नीले आसमान से |
उतर रहा था काफिला जमीं पर बड़ी ही शान से |
आग का गोला निकला यकायक कोलम्बिया यान से
मौत का था वह जलजला, सब बेबस और हैरान थे |
होनी का था फैसला, कौन लड़ सकता है भगवान से
पर आ जाए जो सामने तो मैं पूछूं उस भगवान से |
नेक बन्दों को ही क्यूँ जल्दी भेजे बुलावा आसमान से
क्यूँ परोपकार का एक और पुतला उठा दिया जहांन से |
स्वागत गीत बदल डाले दर्द अश्क की अजान से
जिंदगी क्या रूठी कल्पना से, रूठी तकदीर हिदुस्तान से
शोक में डूबा जहांन, अनसुलझे रह गए मानवता के अरमान से,
भारतीय नारी का गौरव बढ़ा गई कल्पना आत्म बलिदान से
आसमां की दीवानी गले लगा के ही रही देखो आसमान से
पहले थी केवल प्रशंसक, अब पूजती हूँ कल्पना को मैं ईमान से,
खिल उठा विश्व सारा डिसकवरी ने चूमा अब मंजिले जमीं को
याद तेरी आई बहुत, भरना नामुमकिन तेरी कमी को
लगा जैसे कह रही हो तुम पोंछों नादानों अश्कनमी को
"मानवता के लिये यारों आँखें नम करते नहीं "|

सोनल कुमारी
दसवीं 'ई '

चिराग हूँ मैं

अँधेरे में जो दिया बनकर जले,
वो चिराग हूँ मैं
किसी टूटे दिल का सहारा बने
वो राग हूँ मैं ||
जिंदगी के सफर में
कांटो भरे रास्ते
हर डगर में फूल बनूँ
फूलों का ताज हूँ मैं |
यूँ तो जुगनू भी चमकते हैं
मगर अंधेरों में चिराग हूँ मैं |
आसमां पर चाँद है,
पर जमीं पर हूँ मैं |
हर पतझड़ में बसंत आता है
रंगीन बसंत का साज हूँ मैं |

गिरियास चौधरी ,II 'C'

हमारा देश

देश हमारा सबसे प्यारा, प्यारा हिन्दुस्तान,
ऊँचे-ऊँचे पर्वत सुन्दर, इसके पहरेदार ,
जल से सदा भरी है नदियाँ, देश बना गुलजार |
झरने गाते गीत मनोहर,सुन्दर मीठी तान |
रंग-बिरंगे पंखो वाले पक्षी, कलोल |
मोर पपीहा तोता कोयल, बोले मीठे बोल ||
हम भी इनके रंग भर, करे देश गुणगान |
बारी बारी आते मौसम, नया रंग है लाते,
फल फूलों के बाग बगीचे, धरती की है शान ||

नाम - तनिश
कक्षा – चार (अ)

पिता

कभी अभिमान तो कभी स्वाभिमान है पिता
कभी धरती तो कभी आसमान है पिता
जन्म दिया है अगर माँ ने तो जानेगा जिससे जग वो पहचान है पिता….
“कभी कंधे पे बिठाकर मेला दिखाता है पिता...
कभी बनके घोड़ा घुमाता है पिता..
माँ अगर पैरों पे चलाना सिखाती है ....
तो पैरों पे खड़ा होना सिखाता है पिता..”
“कभी रोटी तो कभी पानी है पिता ....
कभी बुढ़ापा तो कभी जवानी है पिता ..
माँ अगर है मासूम सी लोरी ...
तो कभी ना भूल पाऊंगा वो कहानी है पिता ....”
“कभी हंसी तो कभी अनुशासन है पिता ....”
कभी मौन तो कभी भाषण है पिता ...
माँ अगर घर में रसोई है तो
चलता है जिससे घर वो राशन है पिता ...”
“कभी ख्वाब को पूरी करने की जिम्मेदारी है पिता ....
कभी आंसूओं में छिपी लाचारी है पिता ....
माँ अगर जरूरत पे बेच सकती है गहने ...
तो जो अपने को बेच दे वो व्यापारी है पिता ....”
“कभी हंसी तो कभी खुशी का मेला है पिता ...
कभी कितना तन्हा और अकेला है पिता ...
माँ तो कह देती है अपने दिल की बात...
सब कुछ समेट के आसमान सा फैला है पिता...”

नाम – अंजलि रानी
कक्षा – अष्टम ‘स’

हिंदू-मुस्लिम एक हैं

हिंदू की पूजा, मुस्लिम की अजान,
दोनों को मेरा शत शत प्रणाम |
मुस्लिम के अल्लाह, हिंदू के राम,
दोनों को मेरा शत् शत् प्रणाम |
एक है धरती और एक है अम्बर,
पर दोनों के दिल में है प्यार का समंदर |
एक करे नमस्ते और दूसरा करे सलाम ,
और दोनों को मेरा शत् शत् प्रणाम |
पास होकर भी दोनों क्यूँ हैं इतने दूर ,
क्यूँ नहीं है दोनों में साथ आने का फितूर |
रहीम हो या राम, दोनों एक जैसे ही तो है नाम
और दोनों को मेरे शत् शत् प्रणाम |
नाम – गौरी राघव
कक्षा – दसवी ‘ई ‘

माता पिता का महत्व

माता – पिता होते हैं भगवान | इनको दो आदर सम्मान ||
जो हमें चलना सिखाते | हर बुरे से लड़ना सिखाते ||
माता – पिता होते हैं भगवान | इनकी महानता को न कोई सके जान ||
हर कष्ट सहकर हमें खाना खिलाते | जीवन का लक्ष्य यही सिखलाते ||
माता पिता के लिए संसार होती है संतान | फिर भी संतान देती न उनको सम्मान ||
संतान के लिए सहते हर कष्ट फिर भी संतान न दे उनको सम्मान ||
न दे उनको उनका सम्मान | हर कोई दो उनको सम्मान ||
संतान सुखी रहे बस यही चाहते | संतान में होती है इनकी जान ||
इनको दो आदर सम्मान क्योंकि ये हैं हमारे भगवान
नाम – एन्जिल
कक्षा – II ‘अ’

प्रगतिशील हिन्दी

सहन"ाील है हिन्दी, प्रगति"ाील है हिन्दी
अन्य भाषाओं के लिए अच्छा विलायक है हिन्दी।।
बड़े–बड़े लोग खा जाते हैं धोखा,
समझते हैं राष्ट्रभाषा है हिन्दी
नहीं राजभाषा है हिन्दी,
ये मैं नहीं कहती
हमारे प्यारे संविधान का
अनुच्छेद 145 कहता है।
हिन्दी उदार है, हिन्दुस्तान उदार है,
सहन"ाील है हिन्दी, प्रगति"ाील है हिन्दी
अन्य भाषाओं के लिए अच्छा विलायक है हिन्दी।।
आत्मसात कर लिए हैं, बहुत से शब्द अन्य भाषाओं के
हूबहू, ज्यों के त्यों, बिना हेर–फेर के,
इसीलिए बढ़ रही है हिन्दी
लहरा रही है हिन्दी
लहरा रही है परचम पूरे वि"व में,
रिपोर्ट व रेल और टेलीफोन को, कहें यदि हिन्दी में
तो लोग हँसेगे बहुत
हास्य से बचने के लिए, हिन्दी ने इनको पचा लिया
दे"ा को हिन्दी ने ही बचा लिया।
सहन"ाील है हिन्दी, प्रगति"ाील है हिन्दी
अन्य भाषाओं के लिए, अच्छा विलायक है हिन्दी।।
कौन कहता है हिन्दी का ह्रास हुआ
दुनिया में प्रथम तीन में है इसका प्लेस
फिर हमें किस बात का है क्ले"ा
चीनी, अंग्रेजी के बाद दुनिया में,
तीसरे स्थान पर है हिन्दी,
हमारे माथे की बिन्दी है हिन्दी,
हमारे भावों की अभिव्यक्ति है हिन्दी।
सहन"ाील है हिन्दी, प्रगति"ाील है हिन्दी,
अन्य भाषाओं के लिए, अच्छा विलायक है हिन्दी।।

श्रीमती निर्मे"ा, टी0जी0टी0 (हिन्दी)

मेहनत सफलता की कुंजी

मेहनतमेल सीढ़ियों की तरह होती है
और भाग्य लिफ्ट कि तरह होता है|
किसी समय लिफ्ट तो बंद हो सकती है
पर सीढियाँ हमेशा ऊंचाई की तरफ ले जाती हैं|
किसी भी ऊँचे लक्ष्य की
प्राप्ति के लिए जीवन में धैर्य ,
दृढ विश्वास, कठोर परिश्रम व
अनुशासन का होना बहुत ही
आवश्यक होता है|

नाम – विशेष सिंह
कक्षा – चतुर्थ ' स'

पुस्तक

सच्ची दोस्त कहलाती पुस्तक,
अच्छी बात बताती पुस्तक,
लेख कहानी या कविता से,
सीधी राह दिखाती पुस्तक।
सुख में दुःख में या यात्रा में
मन को है। बहलाती पुस्तक
ज्ञान बाँटे घटे न तिल भर
ऐसी अद्भुत हाती पुस्तक।।
लेखक प"ाः काय होता है,
उसको अमर बनाती पुस्तक
भटक रहे जो अंधियारों में,
जीना उन्हे सिखाती पुस्तक।।।
सबसे मिलती खुले हृदय से,
कुछ भी नहीं छुपाती पुस्तक,
जीवन अति सुन्दर उपवन से
उसमें फूल महकाती पुस्तक।।।।
सच्ची दौलत कहलाती पुस्तक
सबकी प्यारी कहलाती पुस्तक।

नाम– आयूष कुमार
कक्षा – 4 'अ'

मेरा प्यारा केन्द्रीय विद्यालय

पढ़ने वाले पढ़ो कहीं भी, इस पर कोई जोर नहीं।
पर केन्द्रीय विद्यालय सा विद्यालय, यहाँ तो कोई और नहीं
नील गगन सा भवन है इसका, सर्वत्र हरियाली
छायी है। पूरे दिल्ली मण्डल में इसने, अपनी जगह
बनायी है। जैसी रहे यहाँ सफाई, ऐसी तो कहीं और नहीं।
पढने वाले पढ़ो कहीं भी, इस पर कोई जोर नहीं।
पर केन्द्रीय विद्यालय सा विद्यालय , यहाँ
तो कोई और नहीं। खेल–कूद का हो आयोजन,
सबको रहता ध्यान है। सहगामी क्रियायों का भी
होता यहाँ सम्मान है। ऐसी ि"ाक्षा मिले यहाँ पर,
ऐसी हैं कहीं और नहीं। पढ़ने वाले पढ़ो कहीं भी,
इस पर कोई जोर नहीं। पर केन्द्रीय विद्यालय
सा विद्यालय, यहाँ तो कोई और नहीं।

नाम– साहिल गौड़
कक्षा– पंचम 'स'

पढ़ने वाले पढ़ो कहीं भी

पढ़ने वाले पढ़ो कहीं भी,
इस पर कोई जोर नहीं,
केन्द्रीय विद्यालय जैसा विद्यालय,
जग में कोई और नहीं।।
नील गगन सा भवन है इसका,
हवादार हर कक्ष है जिसका,
हरियाली यहाँ सर्वत्र छाई है,
पूरे बुलन्द"ाहर जिले में इसने
अपनी अलग पहचान बनाई है।
जैसी यहाँ है पढ़ाई,
ऐसी तो कहीं और नहीं,
केन्द्रीय विद्यालय जैसा विद्यालय,
जग में कोई और नहीं।।
उत्तम है, यहाँ खेल व्यवस्था,
हल्का है हर बच्चे का बस्ता,
यहाँ जैसे परिश्रमी ि"ाक्षक
हैं और कहीं नहीं।
पढ़ने वाले पढ़ो कहीं भी,
इस पर कोई जोर नहीं।
केन्द्रीय विद्यालय जैसा विद्यालय,
जग में कोई और नहीं।।

नाम– रितिका चौधरी
कक्षा– नवीं 'ई'

पढ़ाई

मैडम ने एक बात बताई
सबसे अच्छी है पढ़ाई,
लेकिन मेरी समझ ना आई।।
खेलकूद में वक्त गवाँया,
अंत साल में रिजल्ट आया,
नम्बर मेरा एक ना आया।।
स्कूल में हुई मेरी हसाँई,
मम्मी ने की खूब पिटाई,
तब जाकर समझ में आई,
सबसे अच्छी है पढ़ाई।।
पढ़ाई में मैंने ध्यान लगाया,
नम्बर एक कक्षा में आया,
मैडम ने मंच पर बुलाया,
प्यारा–सा उपहार दिलाया,
मम्मी ने भी गले लगाया।।
जमकर खाई खूब मिठाई,
सबसे अच्छी है पढ़ाई,
बात मेरी यह समझ में आई,
सबसे अच्छी है पढ़ाई,
सबसे अच्छी है पढ़ाई।।

नाम– कि"ाो फर्स्ट
कक्षा– 4 'ब'

जीवन मूल्यों का महत्त्व

नीति शाश्त्र में 'मूल्य' शब्द के रूप में प्रयुक्त हुआ है| जीवन – मूल्य से आशय – जीवन को बेहतर ढंग से व्यतीत करने के लिए श्रेष्ठ गुड़, मर्यादित प्रतिबंधन तथा विशेषताएं और संस्कार आदि |

जीवन मूल्य, मानव –मूल्य और जीवन दर्शन परस्पर पर्याय शब्द हैं | सत्यम, शिवम और सुन्दरम में समस्त जीवन मूल्य समाहित हो जाते हैं कामायनी में कहा है –

"ज्ञान दूर कुछ क्रिया भिन्न है ,
इच्छा क्यों पूरी हो मन की |
एक दूसरे से न् मिल सके ,
यही विडम्बना है जीवन की ||"

दृष्टान्त के तौर पर ईमानदारी सच्चाई, त्याग सहनुभूति, करुना, परोपकार, पारस्परिक –प्रेम तथा सम्मान तथा राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्य भावनादी समस्त सद्गुण जीवन मूल्य के अंतर्गत आते हैं | जीवन मूल्य हमेशा शाश्वत, सनातन सार्वभोमिक और चिरंतन है –

अभिवादन शीलस्य नित्यं वृधोपसेविन: |
चत्वारि तस्य वर्तन्ते आयुर्विद्या यशोबलम. |

अर्थात नियमित अभिवादन करने से व्यक्ति के चार गुण निरंतर बढते हैं – आयु, विध्या, यश और बल |

ये शाश्वत रहेंगे |

जीवन – मूल्यों का मूल आधार आदमी – आदमी के बीच का रिश्ता है | समाज में रहते हुए व्यक्ति अपने कर्तव्यों को कितना निभाता है त्याग और सेवा के लिए जितना तत्पर रहता है, उतना ही वह मूल्यों के प्रति आस्थावान है |

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान रिपु '
आलस्य मनष्य का सबसे बड़ा शत्रु है |

भारतीय संस्कृति में तों 'पितृ देवो भव' की ही मान्यता है | वर्तमान युग में व्यक्ति के आचारगत, व्यवहारगत व् चरित्रगत मानव मूल्यों में गिरावट आई है | इसके लिए दोषी है – व्यक्ति का एकाकी पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव और भोतिकता का अजस्र प्रवाह | आज स्तातुस के नाम पर प्रातः उठकर बच्चों को सस्मबोधन करते हुए 'हाय' शब्द का प्रयोग दर्शित होता है | वास्तव में अशोभ्निया है | साहित्य में हाय शब्द टीस, दुःख या रुदन का प्रतीक है |

मानव को मानव बनाने के लिए जीवन-मूल्यों का बहुत अधिक महत्त्व है| निश्चित रूप से यह उसे संस्कारों और आचरण से प्राप्त होता है | मन में उत्पन होने वाले अच्छे –बुरे भावों को वह संस्कारों के कारण अच्छे –बुरे ढंग से व्यक्त करता है | प्रेम, करुना, उत्साह आदि के संतुलित विकास से बह परायों को अपना बना सकता है, जबकि इनके असंतुलन से अपने को भी परुआ बना लेता है| प्रेम मनुष्यों को जोड़ता है, यही अशांत मन् को शांत करता है और मन कि पीड़ा को मिटाकर जीवन रस की वर्षा करता है | ईश्वर – प्रेम , राष्ट्र प्रेम और विश्व प्रेम आदि के द्वारा हम सारे विश्व को एक कर सकते हैं |

जीवन मूल्यों के चार स्त्रोत हैं – माता –पिता, शिक्षक, शिक्षण –व्यवस्था का संस्कारों से सस्नोकार तथा समाज मात-पिता और परिवार जन, सुसंस्कृत सभ्य और शालीन आचरण करते हैं तों निश्चित रूप से बालक में उद्दात नैतिकता और जीवन – मूल्यों का समावेश स्वत: ही हो जाएगा |

साहित्यकारों ने जीवन – मूल्यों को अपनी रचनाओं में प्रतिष्ठित किया है, चाहे वह बाल्मीकि –रामायण 'रघुवंश' महाकाव्य, गीतांजलि, 'पैराडाईज लास्ट ' हो 'ले मिजराब' या ' वार एंड पीस' हो | सभी संवेदनशीलता का उद्द्येश्य प्रस्तुत करते हैं | महात्मा गाँधी का 'अहिंस्तामक आन्दोलन' भी इसका उदाहरण है | आपकी पाठ्य – पुस्तकों के प्रित्येक पाठ में एक जीवन –मूल्य निहित है |

हमें अपना जीवन अच्छा बनाने के लिए जीवन – मूल्यों को यथावत आत्मसात करना होगा | इसको अपनाकर ही व्यक्ति देवत्व को प्राप्त होता है | पुनश्च भारत विश्व गुरु का वर्चस्व प्राप्त कर सकेगा |

मथिलिशरण गुप्त ने 'साकेत ' महाकाव्य के अष्टम सर्ग में भगवान राम के वचनों से कितने सुन्दर जीवन – मूल्य व्यक्त किये हैं –

सन्देश यहाँ मैं नहीं स्वर्ग का लाया |
इस भूतल को ही स्वर्ग बनाने आया ||"

डा. एस. एन. शर्मा
उपप्राचार्य

Wall Paintings by Children under BALA Project

ENGLISH SECTION -2017&18

English section

INDEX

1 . My Idea of Happy Life	Pooja Rani , XII D
2 . Amazing Facts	Sana Praveen , IX C
3 . Teachers	Prachi Kumari , IX F
4 . Success in Life	Rudranshi Mittal
5 . What is Life ?	Jitendra Sharma , VI C
6 . Yoga	Somia Chaudhary , XI D
7 . Some Educational Thoughts	Nisha Kushwaha , VII F
8 . When A Teacher is Absent	Jitendra Sharma , VI C
9 . Daughters : A Lovely Creation of God	Shristy , IX C
10 . The Perfect Life	Shivani , VI C
11 . Brainy Quotes	Yana Sharma , IX C
12 . Dear Papa	Ayesha Musheer , XI D
13 . Thoughts	Yashika , VII C
14 . Friendship	Pooja Rani , XII D
15 . Meaning of School	Monali , VII C
16 . Life !	Bhumika singh , VI C
17 . Amazing Facts in Mathematics	Omkar Singh Bhati TGT Maths
18 . Happiness – Swati Lohia , VIII A	
19 . Realization – Shristy , IX C	
20 . General Knowledge – Bhoomika , VI C	
21 . The Moon – Monali , VII C	
22 . My Teacher – Pooja Rani , XII D	
23 . Brain Teasers – Chinmai Singh , VII C	
24 . The Mirror of Life – Anjali Rani , VIII E	
25 . Books – Prachi Kumari , IX C	
26 . Moden Student Life – Vishal Sharma V A	
27 . Little Things – Dipesh Kumar , II C	

28 . Amazing Facts – Jayant Kumar , XI D

29 . If Life …… - Sanya Singh , IX F

30 . Three Things to Remember – Chunmun Mahur , VI F

31 . Life is a Game – Prachi Kumari , IX F

32 . Most Powerful – Imran Khan , IX B

33 . Amazing Facts about India - Sunny . IX F

34 . Truth of Life (Quotes) - Ayesha Musheer , XI D

35 . Just One – Anjali Rani , VIII E

36 . A Tribute to KV Bsr. – Himanshi Sharma , IX C

37 . A Teacher – Manu Chaudhary , VIII C

38 . An Amazing Life – Bhumika , VII B

39 . Save water Save Life – Bhumika , VII B

40 . Do You Know ? – Chinmai Sharma , VII C

41 . Clean India Green India – Himanshi Sharma , IX C

42 . My Teacher – Jatin Kumar , VI C

43 . Ten Qualities of an Ideal Teacher – Harshit Dabas , VIII A

44 . Thoughts – Yashika , VII C

45 . I Like – Yashika , VII C

46 . Friendship – Shalini Choudhary , XI A

My Idea of Happy Life

'Happy is the One who feels happy in the happiness of others '

Happiness can be described as a state of mind . In this state a person is contended with all that he has got with him , he is healthy and has sound mind , and lastly he is fully involved in the service of mankind . Healthy Mind and Body is very essential for happiness . Our selfish nature takes away a lot of happiness from our lives . For True happiness one must think more and more on – " We get what we give ".

Name :Pooja Rani

Class : XII D

Amazing Facts

1 . It is impossible to lick your own elbow .
2 . A crocodile can't stick its tongue out .
3 . A shrimp 's heart is in its head .
4 . Rats and Horse can't vomit .
5 . More than 50 % of the people in the world have never made or received a single telephone call .
6 . If you sneeze hard , you can fracture a rib .
7 . Most lipsticks contain fish scales .
8 . Like fingerprints everyone's tongue print is different .
9 . It is physically impossible for pigs to look up into the sky .
10 . People say " Bless you " when you sneeze because when you sneeze your heart stops for a milli- second .
11 . If you keep your eyes open by force when you sneeze you might pop on eyeball out .
12 . Rats multiply so quickly that in 18 months , two rats can have over a million descendants .
13 . The cigarette lighter was invented before the match box .

Name : Sana Parveen, IX C

Teachers

Teacher is next to God ,
Who blesses us every time.
Teacher is a shadow,
Who always stands behind.
Teacher is like a candle ,
That spreads light everywhere.
Teacher is like a parent,
Who always takes our care.
Teacher is like a flower ,
That blooms every morning .
Teacher is guide ,
Who helps us in learning .
Teacher is a bird
That flies with wings .
Teacher are books ,
Which contain the knowledge of good things .
Teachers are stars ,
Which shine brightly .
Teachers are angels ,
Who are the creation of the almighty .

Name : Prachi Kumari, IX F

Success In Life

A – Always speak the truth
B – Be regular and punctual
C – Character is the corner of Glory .
D – Dedication is the best virtue .
E – Early to bed , Early to rise makes a man healthy, wealthy and wise
F – Failures are pillars of success .
G – Glorify your nation
H – Honesty is the best policy .
I – Industry is the key of progress .
J – Join the company of good people .
K – Kindness is the ornament of the human beings .
L – Look before you leap .
M – Make hay while the sun shines .
N – Never lose your temper .
O – Once a liar , always a liar .
P – Pride comes before a fall .
Q – Question your ego .
R – Radiate a cheerful smile .
S – self help is the best help .
T – Time and tide wait for none .
U – United we stand and divided we fall .
V – Virtue is its own reward .
W – Where there is a will , there is a way
X – X'mas will remind you of Jesus .
Y – Yield not to anything , but to your conscience .
Z – Zero has its own value

Name : Rudranshi Mittal, v e

What is Life ?

Life is a mystery to solve
Life is a story untold
Life is an ocean of joys and sorrows
Life is a garment to unfold
Life is full of happiness
Where there people sing with
Kindness and amiability
Life is cheerful
If we are happy
Life is satisfactory
If we are satisfied
Life is adventures
If we are ready to face odds
The wheel of life continues
We come and we go
We meet and we part of life
And parting is a must for progress and
So also for evolution.

Name :Jitendra Sharma

Class : VI C

Yoga

Yoga is an ancient science. Nobody knows its origin. According to the yogic world, Lord Shiva is considered as the founder of Yoga. The sage Maharishi Patanjali was the first person to present the ancient tradition of yoga in a systematic way in ‘ Yogadarsana ‘ and ‘ yoga sutra ‘ around 200 B.C

Swami Vivekananda made yoga popular. In modern period swami Yogananda spread the knowledge of yoga. It has been accepted by the United Nations also. The first ‘International Yoga Day ‘was celebrated at Raj Path in India on June 21 , 2015 . Around 3, 0000 students and other persons performed different Yoga Asans . Honorable Prime Minister of India also participated in the yoga event. It was also celebrated all over the world. Out of 193 countries, 192 countries celebrated the International Yoga Day. The Kendriya Vidyalaya Sangthan has accepted yoga as a subject and there are different periods for it. Yoga teacher trains the student different yoga Asans and Kriyas . Yoga teacher also explains its benefits and methods.

In the Yogasutras , Patanjali described yoga as the means by which the word yoga is derived means to join or unite. Thus it unites a person with his or her consciousness or the almighty god. It helps in all round development of one’s personality. It improves immunity of our body if done regularly and properly. One can lead a healthy life by regular practice of yoga

We know that life is not just living, but living in joy, living happily. So one has to find ways to attain happiness.

For this , we have to understand what is happiness in real sense ? Happiness is a state of being perfect harmony of body , mind and spirit which is also known as holistic health . Yoga can guarantee us the holistic health and happiness in the present stressful modern life . It can keep us happy and healthy .

We can reap numerous benefits of yoga with regular practice and faith . Mere reading of theory and philosophy on yoga does not help us , we need to practice it regularly . According to swami Sivanand , " An ounce of practice is better than a ton of theory " . It can not only help in curing various diseases aliments and disorders rather it relieves us from stress , anxiety and insomnia .

In Today's time , In India out of 100 % patient , 61 % patients are suffering from non-communicable diseases which can only prevent by doing yoga. Yoga can transform the life of human beings.

Name : Somia Chaudhary, XI D

Some Educational Thoughts

- The Roots of education are bitter , but the fruit is sweet .
- The beautiful thing about learning is that no one can take it away from you .
- The whole purpose of education is to turn mirrors into windows .
- Education is the movement from darkness to light
- Some of the brightest minds in the country can be found on the last benches of the classroom.

Name : Nisha Kushwaha
Class :VII F

When A Teacher is Absent

When a Teacher is absent ,
We talk , write a paint ,
Happiness is lent
Without taking any rent !
We have Fun
With happiness of tons !
Through our noise happiness runs
All have smiles just like one .
But its not always a goody ,
It can affect your study
It's a bitter truth Oh ! My buddy !
Work will be piled up , so my friends be ready !
Name : Jitendra Sharma, VI C

DAUGHTERS: A LOVELY CREATION OF GOD!

Why god made daughters
When god creates daughters, he took
Very special care to find
The precious treasures that would
Make them sweet and fair
They fashioned them with sugar
A little bit of spice……
He gave them sunny laughter and
Everything that's nice……
God smiled when he made daughters
Because he knew
He had created love and happiness,
For every mom and dad……
Name : Shristhy, IX-C

THE PERFECT LIFE

It is not growing like a tree.
In bulk, doth make man better be,
Or standing as an oak, three hundred years,
To fall a log at last- dry, bald and sere;
A lily of a day
Is fairer in May.
Although it fall and die that night-
It was the plant and flower of light.
In small proportions we just beauties see.
And in short measures life may perfect be.

Name : Shivani
Class : VI-C

BRAINY QUOTES

We spend our days waiting for the right path to appear in front of us, but what we forget that paths are made for walking, not for waiting. **–BAL GANGADHAR TILAK**

Dream, dream, dream…… Dreams transform into thoughts and result in action… **-APJ ABDUL KALAM**

People tend to forget their duties but remember their rights. **–INDIRA GANDHI**

Strength does not come from physical capacity. It comes from a strong will. **–MAHATMA GANDHI**

Knowledge is the foundation of a human's life. **–DR. B.R. AMBEDKAR**

Name: Yana sharma, IX-C

DEAR PAPA!!!!

I was too late for papa to come to my school that day. In the morning he promised me to come and pick me after the school. Every moment was like a decade for me. My anger was at the top of my head. I decided if he did not come that day I would not talk to him. I was continuously looking at the gate. All the students had gone yet there was no sign of him. After an hour a motorbike stopped at the gate. My father was smiling at me. As soon as I saw him, I ran towards him and started shouting at him. I paused all my anger at him with all my words and gestures. He was just simply smiling, smiling and smiling. This is how he used to tackle the difficulties and harshness of daily life. This is his typical way of teaching us to be cool and calm towards the odds of situation. He did not explain why he was late, I knew he has a lot of responsibilities to share yet he tries to pick me up from the school taking some time for me from his busy schedule. He gently asked me if I was feeling hungry. I did not reply but he knew the answer was positive. I was pretending to be angry but something was inside me. A shadow of embarrassment started covering me due to his gentle behavior. The bike stopped at the gate of my favourite restaurant. My anger started transforming to hunger. After a few minutes my favourite dishes were in front of me. I was too hungry to wait for his signal. I attacked the food as an enemy and within a few minutes it disappeared from the plate. My father looked at me with love, affection and care. By now I had forgotten all my wait, anger and disappointment. He turned to be both mother and father at that moment. The moments were precious enough to save for the whole life…….THANK YOU PAPA!!!!

Name :Ayesha Musheer

Class :XII-D

THOUGHTS

You were given
This life
Because you were
Strong enough to live it.
When life gives you
A hundred reasons to cry,
Show life you have
A thousand reasons
To smile.

Name : ***Yashika, VII C***

Friendship…

Oh! What a joy it is ..
To have a friend like you
For giving me the strength the way you do
For lifting me up when I am falling down
And putting a smile on my face when I am
Wearing a frown
Thanks for being there and helping me to grow !!! ☺☺☺

Name :Pooja Rani, XII D

…Life…

Life is a very precious thing,
Just like a diamond in the ring .
Life has many stages ,
It has day to day changes.
Life is full of hardships,
But the best thing in the life is friendship.
Friends are whom you can trust,
With them everything must be share.
People says love is life,
But life is as sharp as knife,
Just like a diamond in the ring…

Life is a gift, enjoy it..
Life is a gift, live it, celebrate it, fulfill it .
Challenges are what makes life interesting
Overcoming them is what makes life glistening.

Bhumika Singh , VII B

Meaning of SCHOOL

S – superb
C – creativity
H – highly spiritual
O – originally
O – organized
L – lovely

Monali , VII C

Amazing facts in MATHEMATICS

1) Zero(0) is the only number which cannot be represented by Roman numerals.
2) Magic of number 9: If multiply any number with nine (9) and then sum all individual digits of all the result (product) to make it single digit, the sum of all these individual digits would always be 9. For ex.: 9*2 = 18 and 1+8=9, 9*3= 27 and 2+7= 9 …
3) What comes after a million, billion and trillion?
   It's a quadrillion, quintillion, sextillion, septillion, octillion, nonillion, decillion and undecillion.
4) The sign symbols of '+' (plus) and '-' (minus) were used as early as 1489 A.D.
5) Among all shapes with the same perimeter a circle has the largest area and the shortest perimeter.
6) How Eratosthenes measured the earth.

   Measuring the earth today is not terribly difficult but thousands of years ago this was no mean feat remember the word "Geometry "is derived from "Earth measurement "therefore, it is appropriate to consider this issue in one of its earliest forms. One of these measurements of the circumference of the earth was made by Greek mathematician, Eratosthenes, about 230 B.C. His measurements was remarkably accurate. Having less than 2 % error. To this measurement Eratosthenes used the relationship of alternate interior angles of Parallel Lines.

   As Librarian of Alexandra Eratosthenes had access to records of calendar events.

   He discovered at noon on a certain day of the year in a town on the Nile called syene (now called Aswan) the sun was directly overhead. As a result the bottom of a deep well was entirely lit and a vertical pole, being parallel to the rays hitting it, cast no shadow.

   At the same time , however , a vertical Pole in the city of Alexandra did cast a shadow when that day arrived again , Eratosthenes measured the angle (L' in the figure) formed by such a pole and the ray of light from the sun going past the top of the pole to the far end of the shadow . He found it to be about 7°12 ', or 1 / 50 of 360°.

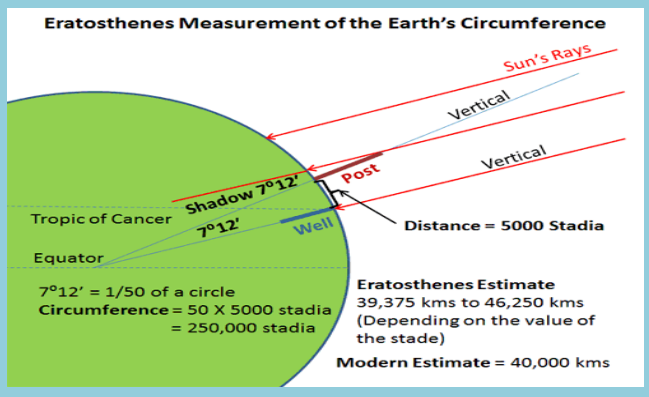

   Assuming the rays of the sun to be parallel, he know that the angle at the center of the earth must be congruent to L' and hence must also measure approximately 1/50 of 360°. Since syene and Alexandra were almost on the same meridian. Syene must be located on the radius of the circle which was parallel to the rays of the sun.

   Eratosthenes thus deduced that the distance between Syene Alexandra was 1/50 of the circumference of the Earth. The distance from syene to Alexandra was believed to be about 5,000 Greek stadia. A stadium was a unit of measurement equal to the length of an Olympic or Egyptian stadium.

   Therefore, Eratosthenes concluded that the circumference of the earth was about 250,000 Greek stadia, or about 24,660 miles. This is very close to modern Calculations

Omkar Singh Bhati
-TGT (Maths) shift – I

HAPPINESS

Happiness is being home again.
Happiness is in walking in the rain.
Happiness is in waking with no pain.
Happiness is to see my humble home.
Happiness is at not being alone.
Happiness is to sit and not to roam.
Happiness is family to me,
Happiness is in the faces, I longed to see,
Happiness is once more being free.

SWATI LOHIA, VIII A

REALIZATION!

To realize the value of a sister
Ask someone who has none!
To realize the value of one year,
Ask someone who has failed in the final examination
To realize the value of the one second,
Ask someone who has missed some question
in the examination
To realize the value of one minute
Ask someone who has survived an accident!!
To realize the value of a one rupee,
Ask a labour who has to work day and night to earn his livings.

SHRISTY, IX-C

GENERAL KNOWLEDGE

Ques1- The smallest state in India is?
Ans- Goa
Ques2- The Yarlung Zangbo river, in India is known as?
Ans- Brahmaputra
Ques3- Which is the world's largest railway station?
Ans- Grand Central Terminal in New York
Ques4- Who is the fastest Shorthand Writer?
Ans-Dr. G.D Bist
Ques5- Where is the railway Staff College located?
Ans-Vadodara
Ques6-The Indian institute of science is located in which city?
Ans-Bangalore
Ques7-Which city is known as 'Electronic city of India'?
Ans-Bangalore

BHOOMIKA , (VI-C)

THE MOON

O look at the moon,
It is shining so bright,
O mother, he looks,
Like a lamp in the sky,
Last week he was smaller,
And shaped like a bow,
But now he's grown bigger
And round like an 'O'

MONALI, VII-C

My Teacher

My Teachers are like beautiful Pearls,
They take care of boys and girls.
They are very helpful, they are very kind,
Everything they teach stays in our mind.
They are never rude, they never scold,
They makes us confident, they make us bold.
Their mind are sharp, their hearts are pure,
They want us progress, for this I am sure.
They are very gentle, they are very nice,
We do not forget them, nor their advice.

Name : Pooja Rani, XII D

Brain Teasers

1. What has roots that nobody sees, is taller than a tree, up, up it goes and yet never grows?

Ans = A Mountain

2. So white horses upon a red hill, first they start stamping, then they stand still. What are the 30 white horses?

Ans = Teeth

3. You may enter, but may not come in, I have space, but no room, I have keys, but open no Lock. What am I?

Ans = Computer

4. when , I am young I am tall when I am old I am short when I am alive I glow because of your breath , I die what am I ?

Ans = A Candle

Name : Chinami Singh , VII C

The Mirror of Life

Life is but a mirror ,
Looking back at us .
Everything we do each day ,
Should lead us to impress.
Find Sometimes when we need ,
To see life differently
We have that mirror to help us ,
Change our view gently .
The eyes of everyone ,
Also reflect back ,
Mirrors come in different ways ,
To show us what we lack
But most importantly ,
Don't forget to always look,
Be your best
And life will look after the rest .
What we see and what we do
Are reflections of what is true
Don't let your mirror reflect the things
That you do not want to come true .
Instead each day sets your goals
Strive to complete , it is good for your soul
Give life all you have got
Never look in the mirror and stop .

Name – Aniali Rani. VIII E

BOOKS

WHAT WONDER ARE OUR BOOKS
AS ONE PERSON OPEN THEM AND LOOKS
NEWS IDEAS AND PEOPLE RISE
IN OUR FANCIES AND OUR EYES
THE ROOM WE SIT MELTS AWAY
AND WE FIND OUR SELVES AT PLAY
WITH SOMEONE WHO BEFORE THE END
ME BECOMES A CHOSEN FRIEND
OR WE SAIL ALONG THE PAGE
TO SOME OTHER LAND OR AGE
BUT OUR BODY IN THE CHAIR,
BUT OUR MIND IS OUT THERE
EACH BOOK IS A MAGIC BOX
WITH A TOUCH A CHILD UNLOCKS,
B/W THEIR OUTSIDWE COVERS
BOOK HOLD ALL THE THINGS FOR THEIR LOVERS

BY – PRACHI KUMARI. IX- F

Modern Student Life

Why do students go to college ? Many go to learn . Some with no concern . Some just for walk mainly to talk .
Some go to college to obey their parents , but some to enjoy a break day .
Many go to enjoy and enjoy and love a game other just to win fame .
Some go to college and remain alerts . Some always look at their shirts .
Some consider school a cage .
But some go to mend their ways .
Some to choose their partner for life and all that reflects the modern life .

" Amazing Facts "

- An average person blinks 12 times a minute
- Our human eye is 576 mega pixel
- The eye ball of human weighs approximately 28 gram
- The nose can remember 50 , 000 different scents
- Like fingerprints , everyone's tongue print is also different
- When you sneeze, All body functions stop – even your heart .
- Our heart pump 2,000 gallons of blood each day
- Our eyes are always the same size from birth .

10 % of our life spent with your eyes closed exclusively because of blinking

Name : Jayant Kumar, XI D

Three things to remember

Three things to maintain:
Promise, Friendship and Affection:
Three things to control:
Tongue, Temper and Temptation .
Three things to watch :
Speech, Behaviour and action
Three things to avoid:
Laziness, False food and Grambling
Three things to love:
Honesty, Hard work and Truth
Name : Chunmun Mahur

Class : VI F

Little Things

Little drops of water ,
Little grains of sand ,
Make the mighty ocean
And the pleasant land .
Little deeds of kindness ,
Little words of love ,
Make our world on Eden
Like the heaven above .
Name : Dipesh Kumar, IInd C

IF Life

'If life is a game
Be the best player.
If life is a book,
Be the best reader.
If life is a blank sheet,
Be the best painter.
If life is an exam,
Be the topper.
If life is a notebook,
Be the best writer.
If life is a movie,
Become the best actor.
If life is a teacher,
Be the follower.
If life is a journey,
Be the best traveller.
If life is a song,
Be the best singer.
If life is a dance,
Be the best choreographer.
If life is tough,
Just get tougher. **Name : Sanya Singh, IX**

Life is a Game

Life is a game
So set your aim
To achieve the aim
Learn to suffer pain
Try again and again
It will not be in vain
Think of best
Forget the rest
If you work with all your heart
You will have not a part
But the whole.

Name : Prachi Kumari , IX F

Most Powerful

A father provided best of education , good moral support , money and everything possible to this son .
That boy becomes a top shot .His son gets a grand cabin in the best office of world . His father feels proud and very powerful . He visits his office . Son is sitting on his Chair . Father goes to the back sides , keeps his hands on the shoulders of his son .
And father asks a question . Who is the most powerful man in the world ? (Father expects that son will say of course you dad) . Son proudly says , I am the most powerful person . Father feels shattered with wet eyes tries to walk out of the office . But at gate asks once again . oh so you feel that you are the most powerful . son says innocently " No , Dad you are the most powerful ". Father " But couple of minutes back you said "that you were the most powerful person". At that time your hands were on my shoulders . so I was the most powerful son . **Name – Imran Khan ,IX B**

AMAZING FACTS ABOUT INDIA

- Sanskrit is considered as the mother of all languages. It is the most precious and therefore suitable language for computer software.
- India is the largest democracy in the world, the 7^{th} largest country in the world and one of the most ancient living civilizations (about 10,000 years old).
- India has the largest number of biomass gasifier system in the world, producing 656 megawatts of power.
- India has the maximum number of post offices in the world.
- India has the second largest pools of scientists and engineers in the world.

SUNNY, IX-F

TRUTH OF LIFE

- It is twice as hard to crush a half-truth as a whole lie.
- Count your blessings, not your problems.
- Success has many fathers, while failure is an orphan.
- Never lose hope.
- Be happy, be supportive, be naughty…… be just like the way you are…. But don't get bored.
- Life is the illusion and death is the ultimate truth.
- Be a good listener. Your ears will never get you in trouble.
- Treat me like a joke and I'll leave you like it's funny.

AYESHA MUSHEER, XI-D

JUST ONE

One song can spark a moment,
One flower can wake the dream,
One tree can start a forest,
One bird can herald spring.
One smile begins a friendship,
One handclap lifts a soul,
One star can guide a ship at sea,
One word can frame the goal.
One vote can change a nation,
One sunbeam lights a room,
One candle wipes out darkness,
One laugh will conquer gloom.
One step must start each journey,
One word must start each prayer,
One hope will raise our spirits,
One touch can show your care.
One voice can speak with wisdom,
One heart can know what's true,
One life can make a difference,
You see, it's up to you!!!

ANJALI RANI, VIII-E

MY TEACHER

I look forward to your class,
When I came to school.
You're an awesome teacher,
I think you're very cool.
I'm happy that you're my teacher,
I enjoy each lesson you teach.
As my role model, you inspire me,
To dream and to work and to reach.
With your kindness you get my attention
Every day you are planting a seed,
Of curiosity and motivation,
To know and to grow and succeed.
A teacher is like winter,
While it's showing hard outside,
Keeping students comfortable,
As a warm and helpful guide.
I'm happy you're my teacher,
Thanks for all you do.
You make learning easy
Your lessons are fun too…..

JATIN KUMAR, VI-C

SAVE WATER, SAVE LIFE

When I brush my teeth,
My grandpa tells me not to leave the tap running.
When I go to take bath,
My father reminds me to use a bucket and mug in place of shower.
My mother always explains,
We are responsible citizens.
Wastage of water in one home,
Makes other houses dry.
How will my friends get ready to go to school?
If I waste water! Water is life, use it wisely….

BHUMIKA, VII-B

AN AMAZING LIFE

- Life is a challenge- Meet it
- Life is a gift- Accept it
- Life is an adventure- Dare it
- Life is a sorrow- Overcome it
- Life is a tragedy- Face it
- Life is a duty- Perform it
- Life is a game- Play it
- Life is a journey- Complete it
- Life is a truth- Realize it

Therefore, life is amazing for one and all!!!

BHUMIKA, VII-B

DO YOU KNOW?

1. Who is the current home minister of India?
2. Who invented telescope?
3. Charlie Chaplin is known for his contribution in which field?
4. Who is known as the political Guru of Mahatma Gandhi?
5. What is the name of the autobiography of Jawaharlal Nehru?
6. Who was the founder of yoga philosophy?

ANSWERS:

1. Rajnath Singh 2. Galileo Galilee 3. Cinema 4. Gopal Krishna Gokhle 5. Discovery of India 6. Patanjali

CHINMAI SINGH
VII-C

CLEAN INDIA, GREEN INDIA

Our father of nation had a dream,
To make our India neat and clean,
Our prime minister is also working on it
To make our India healthy and fit.
India will become a country of dream,
If its citizens started to make it clean.
This is our responsibility,
To increase India's specialty.
Not to throw garbage here and there,
To make our India clean and fair.
This can be done by our thinking,
If we go to it without any blinking.
This is the initiative of one,
Which has to be followed by everyone?
Anywhere we live is our home,
And we have to decorate it like Taj.
We have to reduce the use of plastic,
To save us from the effect of disaster.
Clean India, Green India is a slogan by one
Which has to be followed by everyone…?

HIMANSHI SHARMA, IX-C

TEN QUALITIES OF AN IDEAL TEACHER

He comes to school in time.
He shows decency.
He explains everything in an easy way.
He has patience.
He never loses temper.
He has compassion for others.
He shows honesty to his duty.
He proves the proverb "simple living and high thinking".
He realizes the feelings of others.
He is a good listener.

HARSHIT DABAS, VIII-A

Thoughts

Quiet the Mind
And the Soul will speak .
Accept what is ,
Let go of what was
And have faith in what will be .
Poetry is
Playing with your
Words until
You breathe life
Into them .
Name – Yashika , VII - C

I LIKE

I like sunshine.
I like snow.
I like green leaves,
When they blow.
I like cookies.
I like cake.
I like waffles,
When I wake.
I like collies.
I like cats.
I like clowns,
Wearing funny hats.
I like cars.
I like trains.
I like sleeping,
When it rains.
I like stories at bedtime.
I like poems when they rhyme…
YASHIKA, VII-C

FRIENDSHIP

Life is sad without a friend……
A home is lonely without a mother……
A church is silent without a preacher…….
A class is vacant without a teacher…….
True friends are like diamond,
Costly, rich and fair…….
False friends are like leaves,
Found everywhere…….
There are many ships
Small and big……
But…. There is no ship
As soothing as friendship…….
Friendship is like a flower
That blooms in sun or shade
A friend who knows its value
Will never let it fade……..
SHALINI CHAUDHARY

ATION OF GRAND PARENT'S DAY

INTERNATIONAL DAY OF YOGA

KVBSR/VVN/FUR/2012-13

संस्कृत – विभाग

केयूराः न विभूशयन्ति पुरूशं हारा न चन्द्रोज्जवलाः
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालंकृता मूर्घजाः।
वाण्येका समलंकरोति पुरूशं या संस्कृता घार्यते
क्षीयन्तेऽखिलभूशणानि सततं वाऊभूशणं भूशणम्।।
भर्तृहरिः

श्रीमती शोभा व्यास
प्र0 स्नातक ि"क्षक (संस्कृत)
1. निधि निम, नवम 'अ'
2 खु"ाी लोधी, नवम 'अ'

अनुक्रमणिका

1	गणे"ा वन्दना	भूमिका VI C
2	ई"ा वन्दना	
3	गुरूजनेम्यः समर्पित्	अली"ाा परवीन VIII B
4	नीतिवचनानि	सृष्टि वर्मा VI C
5	वन्द्या जननी	प्रिया कुमारी VI C
6	नारी महत्वम्	नन्दनी VI A
7	पर्यावरणम्	अंजली VIII A
8	एहि एहि वीर रे	अक्षिता गौतम VII B
9	एषा मम घन्या माता	देवां"ा VIII C एवं भूपेन्द्र शर्मा VIII B
10	प्रकृतिः	ज्योति VII A
11	आभाणकाः	प्रियां"ाु देव VI A
12	स्वच्छ भारताभियानम्	रिया गौतम VIII C
13	पीयूष विन्दवः	महिमा सिंह VIII C
14	परोपकारः	जाह्नवी निम VI C
15	भारतवर्षस्य राजधानी (दिल्ली)	हिमां"ाी शर्मा IX C
16	विद्याः	प्रियंका VIII C एवं नि"ाान्त सिंह VI C
17	संस्कृतभाषायाः महत्वम्	दीपां"ाु सिंह VI A
18	गीताभृतम्	हिमां"ाी VIII B एवं ि"ाखा वर्मा VI C
19	प्रहेलिकाः	दीक्षा VI B
20	मुमुक्षा	ऋतिका VIII B
21	स्वामी विवेकानन्दः	सुरभि गौतम VII A
22	क्षुद्रः अपि सहायकः	रिया राना VI B
23	घीराः बालकाः	प्रियां"ाी VI B
24	अनमोल वचनानि	सोनम लोहिया VIII B एवं जितेन्द्र शर्मा VI C
25	इदम् आचरणीयम्	अम्बिका कौ"ाक VIII B
26	योगः	तान्या प्रथम VIII C
27	चित्रग्रीव–हिरण्यक कथा	चिन्मयी सिंह VII C

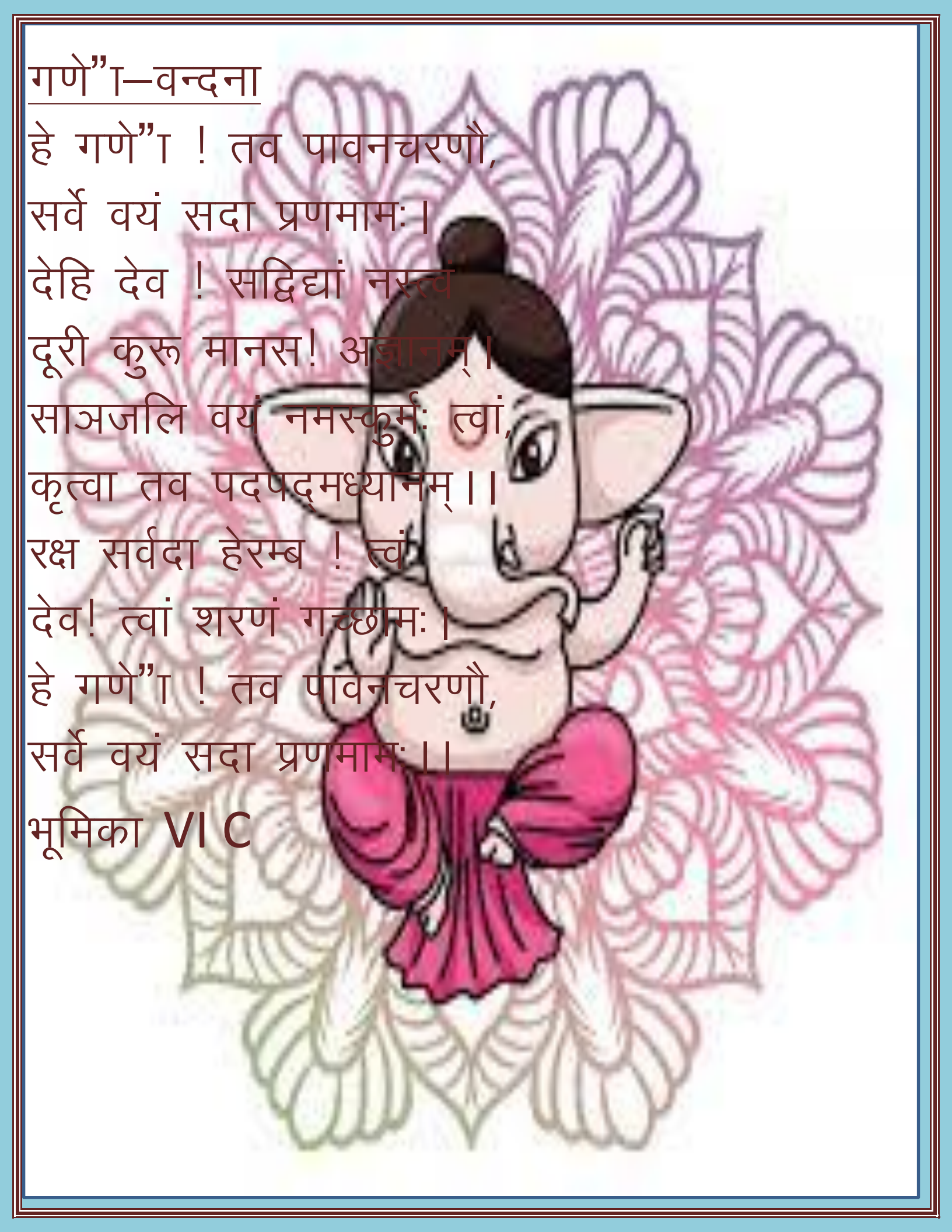

गणे”ा–वन्दना

हे गणे”ा ! तव पावनचरणौ,

सर्वे वयं सदा प्रणमामः।

देहि देव ! सद्विद्यां नस्त्वं

दूरी कुरु मानस! अज्ञानम्।

साञजलि वयं नमस्कुर्मः त्वां,

कृत्वा तव पदपद्मध्यानम्।।

रक्ष सर्वदा हेरम्ब ! त्वं

देव! त्वां शरणं गच्छामः।

हे गणे”ा ! तव पावनचरणौ,

सर्वे वयं सदा प्रणमामः।।

भूमिका VI C

ई"ा–वंदना

ई"ां वि"व – निदानं वन्दे
निगम – गीत – गुण – गानं वन्दे।
परितो वितत – वितानं वन्दे
शोभा – शक्ति – निधानं वन्दे।। 1।।
मन्दिर – मस्जिद – वासं वन्दे
गिरजाभवन – निवासं वन्दे।
जन – जन – हृदय – विलासं वन्दे
कण – कण – कलित – प्रका"ां वन्दे।। 2।।
नव – लतिकासु लसन्तं वन्दे
कुसुमेष्वपि विकसन्तं वन्दे।
ि"ा"ु – वदनेषु हसन्तं वन्दे
शुचि – हृदयेषु वसन्तं वन्दे।। 3।।
ई"ां वि"व – निदानं वन्दे।।

गुरूजनेभ्यः समर्पितम्

किम् अस्ति तत् पदम्
यः लभते इह सम्मानम्।
किम् अस्ति तत् पदम्
यः करोति देशानाम् निर्माणम्।
किम् अस्ति तत् पदम
यम् अस्ति सर्वे प्रणामम्।
किम् अस्ति तत् पदम
यस्य छायया: प्राप्तम् ज्ञानम्।
किम् अस्ति तत् पदम
यः रचयति चरित्र जनानाम्।
'गुरू': अस्ति तत् पदम्
गुरूणाम् मम भात भात प्रणामः।

नाम **अलीशा**
कक्षा 8 बी

नीतिवचनानि

चन्दनं शीतलं लोके चन्दनादपि चन्द्रमा।
चन्द्रचन्दनयोर्मध्ये शीतला साधुसगति।। 1।।

अभिवादन"ाीलस्य नित्यं वृध्दोपसोविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुविधाय"ाोबलम्।। 2।।

दुर्जनः परिहर्तव्यो विद्ययालङ्कृतोऽपि सन्।
मणिना भूषितो सर्पः किमसौ ना भयडकरः।। 3।।

सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रयूात् न ब्रूयात सत्यमप्रियम्।
प्रियं च नानृतं ब्रूयात् एष धर्मः सनातनः।। 4।।

प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
तस्मात् तदैव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता।। 5।।

न क"ाचत मित्रं न क"ाचद् कस्यचिद् रिपुः।
व्यवहारेण जायन्ते मित्राणि रिपवस्था।। 6।।

अधमा धनमिच्दन्ति धनं मानं च मध्यमाः।
उत्तमाः मानमिच्छन्ति मानो हि महतां धनम्।। 7।।

नाम श्रृश्टि वर्मा
कक्षा 6 सी

वन्द्या जननी

वन्द्या जननी भारत – धरणी।
शस्य – श्यामला सुय्वदा।।
वीरप्रसविनी रिपुदलदलिनी,
पापनाि"ानी पुण्यदायिनी
सर्व – ताप – संताप – हारिणी,
धनदा वरदा बलदा।।
वन्धा जननी .....
गीता यत्र सुगीता गीता,
लव – कु"ा – जननी जाता सीता।
यत्र भगवता वेदो गीतः,
विचरति यत्र य"ाोदा।।
वन्द्या जननी .....
नाम प्रिया कुमारी
कक्षा 6 सी

नारी महत्वम्

स्त्रियाम् तु रोचमानायाम् सर्वं तद्रोचते कुलम्।
तस्याम् त्वरोचमानायाम् सर्वमेव न रोचते।।
न गृहम् तु गृहमत्याहुगृहिणी गृहमुच्यते।
गृहम तु अगृहिणीन् अरण्यसद"ाम् मतम्।।
यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैवास्तु न पूज्यन्ते तत्र विफला सर्वाक्रिया।।
नास्ति यार्यासमो बन्धुर्नास्ति भार्या समागतिः।।
नास्ति भार्यासमो लोके सहायो धर्मसंग्रहे।।

नाम नन्दनी
कक्षा 6 अ

पर्यावरणम्

अस्मान् परितः यानि पञ्चमहाभूतानि सन्ति तेषां समवायः एव परिसरः अथवा पर्यावरणम् इति पदेन व्यवह्रीयते। इत्युक्ते मनुष्यो यत्र् निवसति, यत् खादति, यत् वस्त्रं धारयति, यज्जलं पिबति यस्य पवनस्य सेवनं करोति, तत्सर्वं पर्यावरणम् इति शब्देनाभिधियते। अधुना पर्यावरणस्य समस्या न केवलं भारतस्य अपितु समस्तविश्रस्य समस्या वर्तते। यज्जलं यच वायुः अद्य उपलभ्यते, तत्सर्व मलिनं दूषितं च दृ"यतु। भारतस्य राजधानी नवदिल्ली अस्ति। अस्य पर्यावरणम् प"यतु। एषा–भारतस्य राज्येषु अन्यतमा अस्ति। भारतदे"स्य राजधानी विश्रवस्य अतिवि"ालसु नगरीषु अन्यतमा इति गण्यते। पर्यावरणम् रूपा एषा भारतस्य तृतीया बृहती नगरी बर्तते। इत्यपि विश्रुता इयं नगरी प्राचीनकाले हस्तिनापुरमिति ख्यात आसीत्। इन्द्रसभायामपि सभाजितानां भरतकुलोत्पन्नानां महीपालानां राजधानी अद्यतनीया एव।

नाम अंजली
कक्षा ४ अ

एहि एहि वीर रे

एहि एहि वीर रे
वीरतां विधेहि रे
भारतस्य रक्षणाय
जीवन प्रदेहि रे।।
त्वं हि मार्ग द"ार्कः
त्वं हि दे"ा रक्षकः
त्वं हि शत्रुना"ाकः
कालनागतक्षकः।।
साहसी सदा भवेः
वीरतां सदा भजेः
भारतीय संस्कृति
मानसे सदा धरेः।।
पदं पदं मिलच्चलेत्
सोत्सहं मनो भवेत्
भारतस्य गौरवाय
सर्वदा जयो भवेत्।।

नाम– अक्षिता गौतम
कक्षा– सात 'ब'

एषा मम धन्या माता

एषा मम धन्या माता
एषा मम धन्या माता
या मां प्रातः शय्यातः
जागरयति सम्बोधनतः।
हरिमरणं या कारयति
आलस्य मम ना"यति।। एषा मम धन्या माता।
कुरू दत्तं गृहकार्यम् त्वम्।
कुरू सुतापाउभ्यासं त्वम्
आदे"ों ददती एवम्
योजयते कार्ये नित्यम।। एषामम धन्या माता।
मधुरं दुग्धं ददाति या
स्वादु फलं च ददाति या।
यच्छति महयं मिष्ठान्नम्।
यच्छति महयं लवणत्राम्।। एषा मम धन्या माता।
कार्य सम्यक् न करोमि यदा,
अपराधं विदधामि यदा।
कलहंकुर्वन रोदिमि यदा
तदा भ्र"ो मां तर्जयति या।। एषा मम धन्या माता।

नाम – देवां"ो एवं भूपेन्द्र
कक्षा– ४ बी

रौल न0–5

प्रकृति

प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
बहूनाम् अपि फलानाम्
बहूनाम् अस्ति वृक्षाणाम्
पुष्पाणाम् चापि मानेयम्।
भ्रमराणां, प"ाूनां,
पक्षिणां च मानास्ति
जनेभ्यः जीवनं सदा
ददाति प्रकृतिः माता।
अस्ति भानु मनोहरी
मानृणाम् अपि मानास्ति
प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
नमः अस्तु न मात्रे प्रकृन्यै।

नाम– ज्योति
कक्षा– 7 ए

आभाणकाः

मधुरान्तस्य मधुरं फलम्।। 1।।
यत् पठिंत तत् गुरवे न्यवेदितम्।। 2।।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।। 3।।
मानो हि महता धनम्।। 4।।
कः परः प्रियवादिनाम्।। 5।।
आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति सः पण्डितः।। 6।।
शठे शाठ्यम समाचारेत्।। 7।।
सेवाधर्मः परमगहनो योगिनाम्प्यगम्यः।। 8।।
बुद्धिर्यस्य बलं तस्य।। 9।।
लोभः मूलमनर्थानाम्।। 10।।
दूरतः पर्वतो रमणीयः।। 11।।
विना"ाकाले विपिरीत बुद्धिः।। 12।।
आचारः परमोधर्मः।। 13।।
तेजसाम् न वयं समीक्ष्यते।। 14।।
पण्डिता समदार्"ानः।।15।।

नाम– प्रिया"ाु देव
कक्षा– 6 ए

स्वच्छ भारत अभियानम्

इत्याख्यं महाभियानं भारतगणराज्यस्य प्रधानमन्त्रिणा नरेन्द्र मोदी–महाभागेन उद्घोषितम्। २०१४ तमस्य वर्षस्य ऑक्टोबर–मासस्य द्वितीये (२/१०/२०१४) दिनाङ्के स्वच्दभारताभियानस्य आरम्भः अभवत्। २/१० दिनाङ्के भारतगणराज्यस्य पूर्वप्रधानमन्त्रिणः लाल बहादुर शास्त्री–महोदयस्य, राष्ट्रपितुः महात्मनः च जन्मदिवसत्वेन आभारतम् उत्सवः आचर्यते। तयोः महापुरूषयोः संस्मरणार्थ २/१० दिने तस्य स्वच्छभारताभियानस्य आरम्भः अभवत्। अभियानस्य उद्ये"यम्ः–

वर्तमान भारतदे"ाः आधुनिकः दे"ाः इति आवि"वं चर्चा अस्ति। सः दे"ाः चन्द्रयानं निर्माय चन्द्रारोहणं कृतवान्, परन्तु उद्यापि तस्य दे"ास्य नागरिकाः अनावृत्ते स्थले शौचं कुर्वन्ति। यत्र कुत्रापि अवकरं प्रक्षिपन्ति। ते यत्र कुत्रापि 'ठीपन्ति । एताद"ैाः कार्यैः दे"ाभिमानिनः बहुपीडाम् अनुभवन्ति।

नाम – रिया गौतम
कक्षा– 8 सी
अनुक्रमाक – 10

पीयूश–बिन्दवः

उधमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
नहि सुप्तस्य सिंहस्य प्रवि"ान्ति मुखें मृगाः।। 1।।
यथा हि एकेन चक्रेण न रथस्य गतिर्भवेत्।
एवं पुरूषकारेण विना दैवं न सिध्यति।। 2।।
चन्दनं शीतलं लोके चन्दनादपि चन्द्रमाः।
चन्द्रचन्दनयोर्मध्ये शीतला साधु सङ्गतिः।। 3।।
वृथा वृष्टि समुद्रेषु वृथा तृप्तस्य भोजनम्।
वृथा दानं समर्थस्य, वृथा दीपो दिने यथा।। 4।।
जलबिन्दुनिपातेन क्रम"ाः पूर्यते घटः।
सः हेतुः सर्वविद्यानाम् धर्मस्य च धनस्य च।। 5।।
अलसस्य कुतो विद्या अविद्यस्य कुतो धनम्
अधनस्य कुतो मित्रं अमित्रस्यं कुतः सुखम्।। 6।।

नाम– महिमा सिंह
कक्षा – 8 सी

परोपकारः

परेषां उपकाराय कृतम् कर्म उपकाराः
कथयते। अस्मिन् जगति सर्वेजनाः
स्वीयं सुखं वाञ्छन्ति। अस्मिन् एव
जगति एव विधाः अपि जनाः सन्ति ये
आत्मन्ः अकल्याणं कृत्वा ऽपि परेषां कल्याणं कुर्वन्ति।
ते एव परोपकारिणः सन्ति। एष एव परोपकारः भावः अस्ति।
अस्य भावस्य उदयेन एव समाजस्य दे"ास्य च प्रगतिः
भवति। अचेतनाः परोपकर्मणिरताः दृ"यन्ते।
मेघाः परोपकाराय जलं वहन्ति। नद्याः अपि स्वीयं जलं न
स्वयं पिबन्ति। वृक्षाः परोपकाराय एव फलानि दधति एवं
हि सज्जनाः परोपकाराय एव जीवनम् धारयन्ति।
आत्मार्थ जी वलोकेऽस्मिन्
को न जीवति मानवः।
परं परोपकारार्थ
यो जीवति सः जीवतिः।।
नाम– जाह्नवी निम
कक्षा 6 अ
अनुक्रमांक – 5

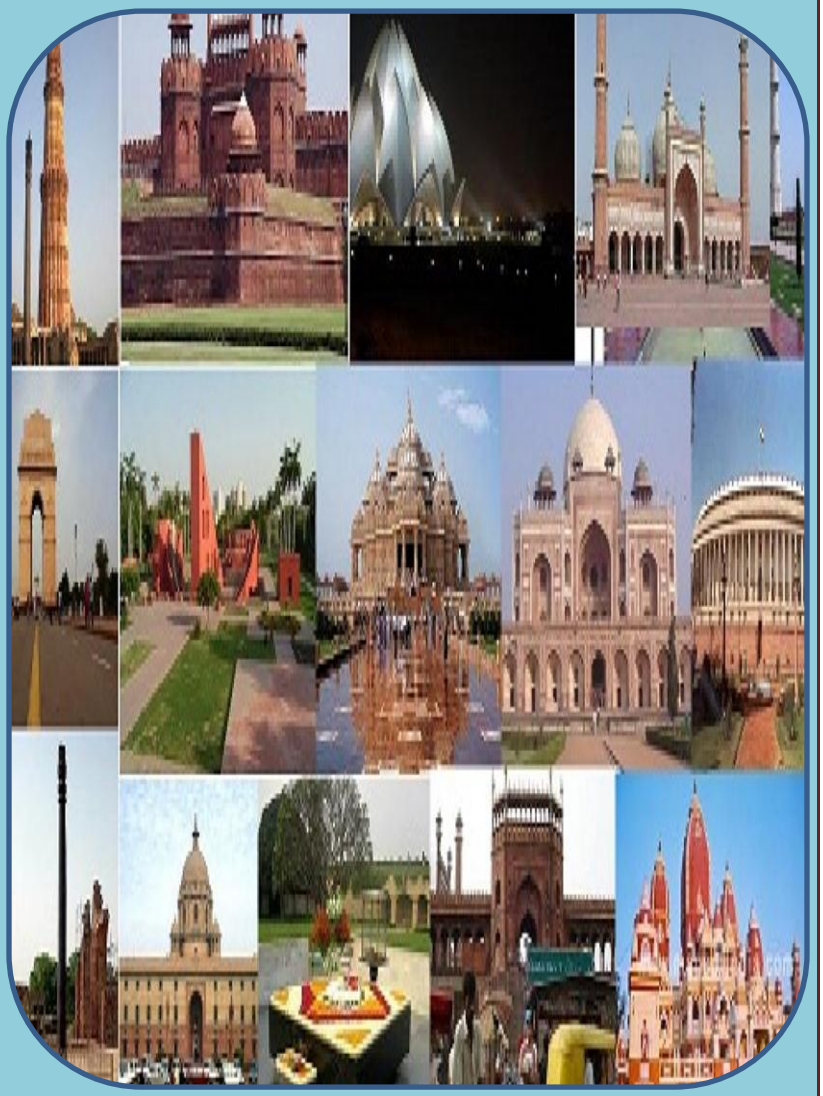

भारतवर्षस्य राजधानी (दिल्ली)

भारतस्य राजधानी दिल्ली – नाम्ना
प्रसिद्धः अस्ति। अस्याः प्राचीनं नाम
इन्द्रप्रस्थम् अस्ति। 'नवा दिल्ली' इति
स्थाने केन्द्रीय प्र"ाासनस्य कार्यालयाः
सन्ति। तत्र बहुभूमिकानि भवनानि
विलसन्ति। भारतस्य राष्ट्रपतिः
उपराष्ट्रपतिः प्रधानमंत्री अन्ये केन्द्रीय
मन्त्रिणः सांसदाः च दिल्ली नगरे एव
निवसन्ति। दिल्ली सर्वस्य आकर्षणः केन्द्रम्
अस्ति। अत्र दूरद"ानस्य अपि केन्द्रम् अस्ति। अधुना संसारे
या प्रगतिः दृ"यते तस्याः दिग्द"ानं दिल्ली नगरे भवति। दिल्ली
f"ाक्षायाः अपि प्रमुख केन्द्रं वर्तते। अत्र दिल्ली वि"वविद्यालय
जवाहर लाल नेहरू वि"वविद्यालयः, केन्द्रीय – संस्कृत
विद्यापीठ"च सन्ति। दिल्ली नगर्या द"ानीय स्थानेषु
सर्वोच्च न्यायालयः, मेहरौली स्तम्भः, राष्ट्रपति
भवनम्, संसद भवनम्, जन्तुगृहं
वायुयायान–आस्थानं अन्तर्राज्यीय– बस – आस्थानम्
रक्तदुर्गः च केचन् द"ानीय स्थानानि सन्ति।
दिल्ली राजधानी क्षेत्रस्य विधान
सभायाः केन्द्रम् अपि अस्ति। किं बहुना दिल्ली
भारतस्य हृदयं वर्तते।

विद्याधनम्

सुखार्थिनः कुतोविद्या नास्ति विघार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्।। 1।।
नास्ति विद्यासमो बन्धुर्नास्ति विद्यासमः सुहृत्।
नास्ति विद्यासमं वित्तं नास्ति विद्यासमं सुखम्।। 2।।
ज्ञातिभिः वण्टयते नैव चौरेणापि न नीयते।
दाने नैव क्षयं याति विद्यारत्नं महाधनम्।। 3।।
सर्वद्रव्येषु विद्यैव द्रव्यमाहुरनुत्तमम्।
अहार्यत्वादनर्ध्यत्वादक्षयत्वाच्च सर्वदा।। 4।।
विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्,
विद्या भोगकरी य"ाः सुखकरी
विद्या गुरूणां गुरूः।
विद्या बन्धुजनो विदे"ागमने विद्या परं दैवतम्,
विद्या राजसु पूज्यते न हि धनं
विद्याविहीनः प"ाुः।। 5।।

नाम– प्रियंका
कक्षा– 8 सी

विद्या महिमा

अपूर्वः कोऽपि को"ाोऽयं विद्यते तव भारति।
व्ययतो वृद्विमायति क्षयमायति सञ्चयात्।। 1।।
विद्या रूपं कुरूपाणम् निर्धनानां धनं तथा।
निर्बलानां बलं विद्या साधनीय प्रयत्नतः।। 2।।
ताराणां भूषणं चन्द्रो नारीणां भूषणंपतिः।
पृथिव्या भूषणं राजा विद्या सर्वत्र भूषणम्।। 3।।
सुन्दरोऽपि सु"ाीलोऽपि कुलीनोऽपि महाधनः।
शोभते न विना विद्यां या सर्वस्य भूषणम्।। 4।।
दिवा प"यति नोलूकः, काको नक्तं न पश्यति।
विद्याविहीनो मूढस्तु, दिवा नक्तं न प"यति।। 5।।
स्वगृहे पूज्यते मूर्खः स्वग्रामे पूज्यते प्रभुः।
स्वदे"ाो पूज्यते राजा, विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।। 6।।

संस्कृत भाषायाः महत्वम्

सम्यक् परिष्कृत शुद्धमर्थाद् दोषरहित व्याकरणेन संस्कारित या भाषा सा संस्कृतम् । एवञ्च सम् उपसर्ग पूर्वकात् कृधातोर्निष्पन्नोऽयं शब्द संस्कृतभाषेति नाम्ना सम्बोध्यते। सैव देवभाषा गीर्वाणवाणी, देववाणी, अमवाणी गीतार्वागित्यादिभिर्नामभिः कथ्यते। इयमेव भाषा सर्वासा भारतीयभाषाणां जननी, भारतीयसंस्कृतेः प्राणस्वरूपा, भारतीयधर्मद”ानादिकानां प्रसारिका, सर्वास्वपि विश्वभाषासु प्राचीनतमा सर्वमान्यता च मन्यते। अस्माकं समस्तमपि प्राचीन साहित्यं संस्कृतभाषायामेव रचितमस्ति, समस्तमपि वैदिक साहित्य रामायणं महाभारतं पुराणानि द”ानग्रन्थाः स्मृतिग्रन्थाः काव्यानि नाटकानि गद्य–नीति आख्यानग्रन्था”च अस्यामेव भाषायां लिखिताः प्राप्यन्ते। गणितं, ज्योतिषं काव्य”ाास्त्रमा युर्वेदः अर्थ”ाास्त्र राजनीति”ाास्त्रं छन्द शास्त्र ज्ञान विज्ञानं तत्वजातस्यामेव संस्कृतभाषायां समुपलभ्यते। अनेन संस्कृतभाषायाः विपुंल गौरंव स्वमेंव सिध्यति।

नाम– दीपां”ाु सिंह

कक्षा– 6 ’अ’

''गीतामृतम्''

देहिनोऽस्मिन् यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।
तथा देहान्तरप्राप्तिधीरस्तत्र न मुह्यति।। 1।।
वासंसि जीर्णानि यथा विहाय
नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णा–
न्यन्यानि संयाति नवानि देही।। 2।।
नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारूतः।। 3।।
सुखदुःखे समे कृत्वा लाभलाभौ जयाजयौ।
ततो युद्धाय युज्यस्व नैवं पापमवाप्स्यसि।। 4।।
कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन्।
मा कर्मफलहेतुर्भूमाते संगोस्त्वकर्मणि।। 5।।
क्रोधाद्भवति सम्मोहः सम्मोहात्समृति विभ्रमः
स्मृतिभ्र”ाद् बुद्धिना”ाो बुद्धिना”ाात्प्रणष्यति।। 6।।
परित्राणाय साधुनां विना”ााय च दुष्कृताम।
धर्मसंस्थापनार्थाय संभवामि युगे–युगे।। 7।।
यदा–यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवीत भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानम् सृजाम्यहम।। 8।।

नाम– हिमां”ाी

कक्षा– 8 बी व

नाम – ि”ाखा वर्मा

मुमुक्षा

संसार–धाम्नि सुख–दुःखाभिभूताः
कदा प्रीताः कदा भीताः
कर्मफल–भोग–निमितं मुहुर्मुहुः
मर्त्यानुभूतिं लभन्ते जीवात्मानः।
अदृष्ट–कर्म–बन्धनैः
अनिच्छयापि सर्वे समाच्छन्नाः
विषमे संसार – प्रपञ्चे
वैचित्र्यमय–रङ्ग–मञ्चे
कथञ्चिद् घृत–प्राणाः
सहन्ते सुगन्ध–दुर्गन्ध–आतम्
सर्वं बन्धन–कष्ट–कण्टकम्,
तथापि चलति जीवन–यात्रा।।
आबद्धाः केचिन् मोह–बन्धनेन
केचित् स्नेह–बन्धनेन
कदाचिद् हेम–बन्धनेन
केचिद् भोग–बन्धनेन
केचिद् वा रोग–बन्धनेन।।
केचित् क्षमता – जालाबद्धाः
केचिन्ममता–मालाबद्धाः
केचिद् भक्ति–बन्धन–युक्तः
केचित् पुनः शक्ति–बन्धनासक्तः।
भाव–बन्धनात् सौख्यमय–परिवाराः
प्रतीयन्ते विषोढ़–विषय–क्ले"ा–भाराः।।
अन्धीक्रियते माया–बन्धनेन सर्वं जगत्,
तथापि पार्थिव – सुखं तेनानुभूयते
मृग–तृष्णिकावत्।
बन्धन–"ाृङ्खला सर्वथा विद्यते,
निर्बधना इव स्थातुमपि शक्यते।
परन्तु बन्धनं नूनं चिरन्तनं
न केवलं स्वात्मनि
परत्रापि लक्ष्यते अहन्यहनि।।
व्याध – कृत – बन्धना मृगा इव
महाकाल–जाल–बन्धनात् सन्ततं
कथं वा मुच्यन्ते प्राणिनः
पिञ्जर–मुक्त यथा विध्ङ्गमाः।
भवन्तु नितरां भवानुरागिणः
अथवा विरसा विरागिणः,
भुक्त स्वाधीनताया मधु–स्वादम्
कृत–प्रयत्नाः सर्वे प्रसारित हस्त–पादम्।।
समस्ताः संसारिणः
धन–जन–जाया–माया–
बन्ध–ग्रस्ताः

प्रहेलिकाः

1 भोजनम् न खादति न पिवति जलम्।
निरंतरम् चलति बोधयति च समयम्।
2 अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डितः।
अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति सः पण्डितः।
3 श्यामः अस्मि कृष्णः न, उच्चै गजार्मि सिंह न।
गगने उड्ॅड्यामि खगः न, जलं ददामि न सिंधुरस्मि
4 स्नेहं ददाति यो मह्ञम् नित्यं तस्मै ददास्यहं
ज्योतिः।
वद अर्थ ज्ञानार्थ कोऽहम् वदतु साम्प्रतमे।।
5 धरायाः उपरि अधः अपि वसति।
धूमः भूत्वा गगने इतस्ततः भ्रमति।
6 प्रका"ोः शीतलः यस्य यः कलाभि च वर्धते
तापं हरति सर्वेषां चकोरस्य प्रियः स कः।

उत्तर– 1–घटिका
2– पत्रम्
3– मेघः
4– दीपकेः
5– जलम्
6– चन्द्र

नाम– दीक्षा
कक्षा– 'ाष्ठी 'ब'

रागा"ाासि–संसार–कारागारे
ऊर्मिले फेनिले नील–पारावारे
सन्तरण–तत्परा निरन्तरम्ः
प्रतिक्षणं प्रतीक्ष्यते मुमुक्षा।
सर्वं बन्धनं न दुःखदम्,
अभि"ाापोऽपि कदाचित्
फलति शुभा"ाीर्वाद–रूपेण।।
अस्तोदिते सुर्ये वस्तुतः समस्ताः
स्वाधीना अपि पराधीनाः
अनुदिनं विद्यन्ते दीनाः
मोह–मदान्धा बधन–त्रस्ताः।
जञजाल–चक्रव्यूह–मध्यात्
सक्रियं मुक्तरूवेषामव"यं कुर्यात्।।

नाम – रितिका
कक्षा – अष्टमी 'ब'

स्वामी विवेकानन्दः

भारतस्य अध्यात्मगौरवं पा"चाव्यजगीत प्रतिष्ठापकस जन्म कलिकातानगरे जनवरीमासस्य द्वाद"ातारिकाया १८६३ तमे वर्षे अभवत्। अस्य जननी श्रीमती भुवने"वरी पिता च श्रीवि"वनाथः आसीत्। अस्य गुरोः नाम रामकृष्णः परमहंसः आसीत्। नरेन्द्रनामायं बालः शै"ावादेव कु"ाग्रबुद्धिः स्वभावान्चञ्चलः मनसोऽपि अ"ांतः चासीत्। अथ कदाचित् श्रीरामकृष्णपरमहंसानां स्प"ार्मात्रेणैव अस्य चेतना जागृता। गच्छता कालेना परमहंस एव नरेन्द्रस्य आध्यात्मिको गुरूः अभवत्।

१८९३ तमे वर्षे स्वामी विवेकानन्दः अमेरिकाराष्ट्रस्य ि"ाकागो नाम्निनगरे समायोजिते वि"वधर्मस्म्मेलने भारतस्य प्रतिनिधित्वकमरोत। यावदेवासौ अमेरिकावासिनः 'बन्धवो' 'भगि"चोत' पदाभ्यां सम्बोधितवान् तावदेव समग्रमेव सभाभवनं करतलध्वनिना गुञजायमानं जातम्। सप्ताहं यावत् महामेधावी विवेकानन्दः शून्यमवलम्ब्य स्वकीय सारगर्भितं भाषणं कृतवान्। यस्मात् भारतेन वि"वगुरूपदम् पुनः लब्धम्। स्वज्ञानगरिम्पा समग्रमपि वि"वं व"ाीकुर्वन् विवेकानन्दः घोषितवान–सर्वेऽपि जनाः पूर्वाग्रहं विघय प्राणिषु समत्वदृष्टिम् अवधारयन्तु चेत् तर्हि स्वधर्म वि"ोषमनुपालयन्तो ऽपि वि"वबन्धुत्वं स्थापयितुं शक्नुवन्ति!
यावज्जीवनं मानवसेवाव्रतमाचरन् असौ दे"ो दे"ो, स्थाने स्थाने च पीडितान जनान् तुतोष।
एतदर्थमेव रामकृष्ण सेवा समिते स्थापनाम् अकरोत।
१९०२ तमे वर्षे कलिकातानगरस्य समीपे वेलरमठे स्वामीविवेकानन्दः दिवं जगाम।

कन्याकुमारीसमीपस्थे समुद्रे निर्मितं विवेकानन्दस्य वि"वस्तरीय स्मारकम वर्तते। यत् तस्य महापुरूषस्य राष्ट्रभक्तिं वि"वबन्धुत्व सर्वधर्मसमभावं च स्मारयति।

''उत्तिष्ठत जाग्रल प्राप्त वरान्निबोधत''
इति विवेकानन्दस्य मूलमन्त्र आसीत्।

नाम – सुरभि गौतम
कक्षा – सातवी 'अ'
सदन– अ"ाोक

क्षुद्रः अपि सहायकः

इदं वनम् अस्ति। अत्र अयं वृक्षा। अत्र एकः तिष्ठति। एकः मूषकः आगच्छति। सः सिंहस्य शरीरम् आरोहति कूर्दति, क्रीडति च। सिंहः गर्जति – आँऽऽऽ आँऽऽऽ। सः मूषकं गृहणति। मूषकः वदति – चूँड चूँड चूँड। महाराजा! अहं क्षुद्रः। मुञ्च माम्। दयालु सिंहः मुञ्चति। कालान्तरे सिंहः पा"ो बद्धः। सः क्रोधेन गर्जति– आँऽऽऽ आँऽऽऽ। मूषकः तस्य गर्जनं श्रृणोति। सः बिलात् आगच्छति। सः पा"ं कृन्तति। सिंहः मुक्तः भवति। मूषकः सिंहस्य प्रियः भवति।

नाम– रिया राना
कक्षा– 6 बी

घीराः बालकाः

एकस्मिन ग्रामे त्रयः बालकाः आसन्। ग्रीष्मावका"ास्य समयः आसीत्। ते प्रवासस्य योजनां कृतवन्तः। अभिभावकानाम् अनुमति प्राप्तवन्तः। नूतन–वस्त्राणि धृतवन्तः। बसस्थानकं गतवन्तः। बसयानस्य आरोहण कृतवन्तः। बसयानं प्रस्थितम्। मार्गे अरण्यम् आसीत्। अकस्मात् लुण्ठकाः यानं स्थगितवन्तः, झटिति यानस्य आरोहणं कृतवन्तः च। ते भु"ुण्डिं दर्"ितवन्तः, उक्तवन्तः च – ''भोः यात्रिणः। स्व–आभूषणानि, स्वधनं च सर्व यच्छन्तु। अन्यथा मारयामः ''इति। सर्वे यात्रिणः भीताः अभवन्। तदा त्रयः बालकाः शनैः–"ानैः लुण्ठकानां पृष्ठतः गतवन्तः। झटिति तेषा हस्तं गृहीतवन्तः। आयुधानि पतितवन्तः। सर्वे यात्रिण मिलित्वा लुण्ठकान् ताडितन्तः। आरक्षकाय च दतवन्तः। सर्वे बालकानां धैर्य श्लाधितवन्तः।

नाम– प्रिया"ाी
कक्षा– 6 बी
रौल न0– 11
हाउस – टैगौर हाउस

अनमोल वचनानि

विधाधनं सर्वधन प्रधानम्।
(विद्या सब धनों में मुख्य है।)
अहिंसा परमो धर्मः।
(अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है।)
सत्यमेव जयते नानृतम।
(सत्य की जीत होती, असत्य की नहीं।)
दीर्घसूत्री विन"ायति।
(आलसी का ना"ा हो जाता है।)
अतिलोभो न कर्न्तव्यः।
(अधिक लोभ नहीं करना चाहिए।)
सन्तोषः परमं धनम्।
(संतोष सबसे बड़ा धन है)
जननी जन्मभूमि"ाच स्वर्गादपि गरोयासी।
(माता और जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान होती है।)
श्रद्धावान् लभते ज्ञानं तत्परः सयतोन्द्रियः।
(ज्ञान उसे प्राप्त होता है जो श्रद्धा रखता है, जुटा रहता है और अपनी इन्द्रियों को व"ा में रखता है।)

नाम – सोनम लोहिया, 8 बी एवं

नाम– जितेन्द्र शर्मा, 6 स

इदम् आचरणीयम्

प्रातः काले ई"ावन्दनम्
तदा जनक–जननी पदनमनम्
शय्यात्यागे दन्तधावनम्,
व्यायामान्तरे देहमज्जनम्
तदनुभोजनं शालागमनम्
तत्र सदा गुरूचरणवन्दनम्।
पठन लेखनम् तथा क्रीडनम्
विनयधारणम् सत्यभाषणम्
राष्ट्रम् प्रति कर्त्तव्यपालनम्
सदा स्वच्छ भाव–प्रका"ातम्
सद् बालानाम् इदम् वर्तनम्
सद् छात्राणाम् इदम् आचरणम्।

नाम– अम्बिका कौ"ाक
कक्षा – अष्टम 'ब'

योगः

योगविधा भारतवर्षस्य अमूल्यनिधिः
पुराकालादेव अविच्छिन्नरूपेण गुरूपरम्परापूर्वकं
प्रचलिताऽऽसीत्। गुरूपरम्परेयम् वस्तुत
ऋषिमुनियोगिनामध्यवसायजर्निंतं साधनालब्धं
अन्तर्जगतो महत्वपूर्ण मन्तर्विज्ञान भवति तथा
अनेन योगसमाधिना ऋषयो मन्त्रान् द्रष्टुं
समर्था आसन् श्रीमभ्दभगवद्गीतायां योगस्य
द्विविध्सत्वं वर्णितं श्रीकृष्णेन यथा–ज्ञानयोगः
कर्मयोगश्रच परम्परनिरपेक्षं मोक्षासाधनत्वेन
कर्मज्ञानयोगरूपं निषुाद्वयमुक्तम्
योगद"ानानुसारेण योगस्य अष्टौ अंगानि सन्ति
तदुक्तं योगद"ाने यम–नियम–आसन–
प्राणायाम–प्रत्याहार–धारण्–ध्यान–
समाधयोऽष्टाडगानि–इति एतेषा
वहिरड़गान्तरङ्ग भेदेन द्विविधत्वं कल्प्येते एतु
यम–नियम–आसन–प्राणायाम
प्रत्याहरादीन्त्रि पञ्चांगानि वहिरगंननि सन्ति
धारणा–ध्यान–समाधीति त्रीणि अन्तरडगाणि
भवन्ति यतो हि एतेषामन्तः करणेन साकमेव
सम्बन्धो विधते। अतः एतेषामन्तरडगत्वम्।

नाम – तान्या
कक्षा – अष्ट 'स'

चित्रग्रीव–हिरण्यक कथा

अस्ति गोदावरीतीरे वि"ाालः शाल्मलीतरूः। तत्र नानदिग्दे"ादागत्य रात्रौ पक्षिणो निवसन्ति। अथ कदाचिदवसत्राया रात्रौ लघुपतनक नामा वायसः प्रबुद्धः आयान्तं व्याधम् अप"यत्। सः तदनुसरण–क्रमेण वायाफुलश्रलितः । अथ तैन व्याधेन तण्डुलकणान्ति कीर्य जाल विस्तीर्णम्। स च प्रच्छन्नो भूत्वा स्थितः। तस्मित्रेव काले चित्रग्रीव–नामा कपोतराजः सपरिवारो वियति विसर्पन् तान् तण्डुलकणान् अवलोकयामास। ततः कपोतराजः तण्डुलकणलुब्धान् कपोतान प्रति आह–''कुतोऽत्र निर्जने वने तण्डुलकणानां संभवः ? तत्रिरूप्यता तावत्। भद्रमिदं न प"यामि। ''तद्वचनं श्रुत्वा क"चित्कपोतः सदर्पमाह आः! किमेवमुच्यते? वृद्धानां वचनं ग्राहम्म आपत्काले हुवपस्थिते। सर्वत्रैवं विचारे तु भोजने ऽ प्यप्रवर्तनम्।। ''एतत् श्रृत्वा सर्वे कपोतास्तत्र उपविष्टाः। अनन्तरं सर्वे जालेन बद्धाः बभूवः। ततो यस्य वचनात् तत्रावलम्बिताः तं सर्वे तिरस्कुर्वन्ति। तस्य तिरस्कारं श्रुत्वा चित्रग्रीव उवाच– ''नायमस्य दोषः। विपत्काले विस्मय एव कापुरूपलक्षणम्। तदत्र धैर्यम, अवलम्बय प्रतीकारचिन्त्याम्। इदानीमप्येवं क्रियताम्। सर्वैः एकचित्तीभूय जालमादाय उडडीयताम्। इति पक्षिणः सर्वे जालम् आदाय उत्पतिताः। अनन्तरं स व्याधः सुदूरात् जालापहारकान् तानवालोक्य प"चाद् धावन् अचिन्तयत् संहतास्तु हरन्तीमे मम जालं विहंगमाः। यदा तु विवदिष्यन्ते अव"ामैष्यन्ति मै तदा।।''

ततस्तैषु चक्षुर्विषयातिक्रान्तेषु पक्षिषु स व्याधो निवृत्तः। अथ लुबधकं निवृत्तं दृष्टवा कपोता ऊचुः – '' किमिदानीं कुर्तुमुचितम्? चित्रग्रीव उवाच–'अस्माकं मित्रं हिरण्यको नाम मूषकराजो गण्कीतीरे चवने निवसति। सोऽस्माकं पा"ान् छेत्स्यति।''इत्यालोच्य सर्वे हिरण्यक विवरसमीपं गताः। ततो हिरण्यकः तद्वचनं प्रत्यभिज्ञाय ससंभ्रमं बहिर्निः सृत्य अब्रवीत्–''आः, पुण्यवानस्मि। प्रियसुहन्मे चित्रग्रीवः समायातः। ''पा"ाबद्धान् चैतान् दृष्ट्वा सविस्मयः उवाच– ''सखे! किमेतत्? ''चित्रग्रीवोऽवदत्–''सखे! अस्माकं लोभस्य फलमेतत्।''एतच्छत्वा हिरण्यकः चित्रग्रीवस्य बन्धनं छेतुं सत्वरम् उपसर्पति। तैन सर्वेषां बन्धनानि छित्रानि। ततो सर्वान् संपूज्य आछ–''सखे चित्रग्रीव। सर्वथा अत्र जालबन्धनविधौ दोषमा"ाङ्क्य आत्मन्य–वज्ञा न कर्तव्या। ''इति प्रबोध्य आतिथ्यं कृत्वा चित्रगीवः तैन संप्रेषितो यथेष्टपै"ान् सपरिवारो ययौ।

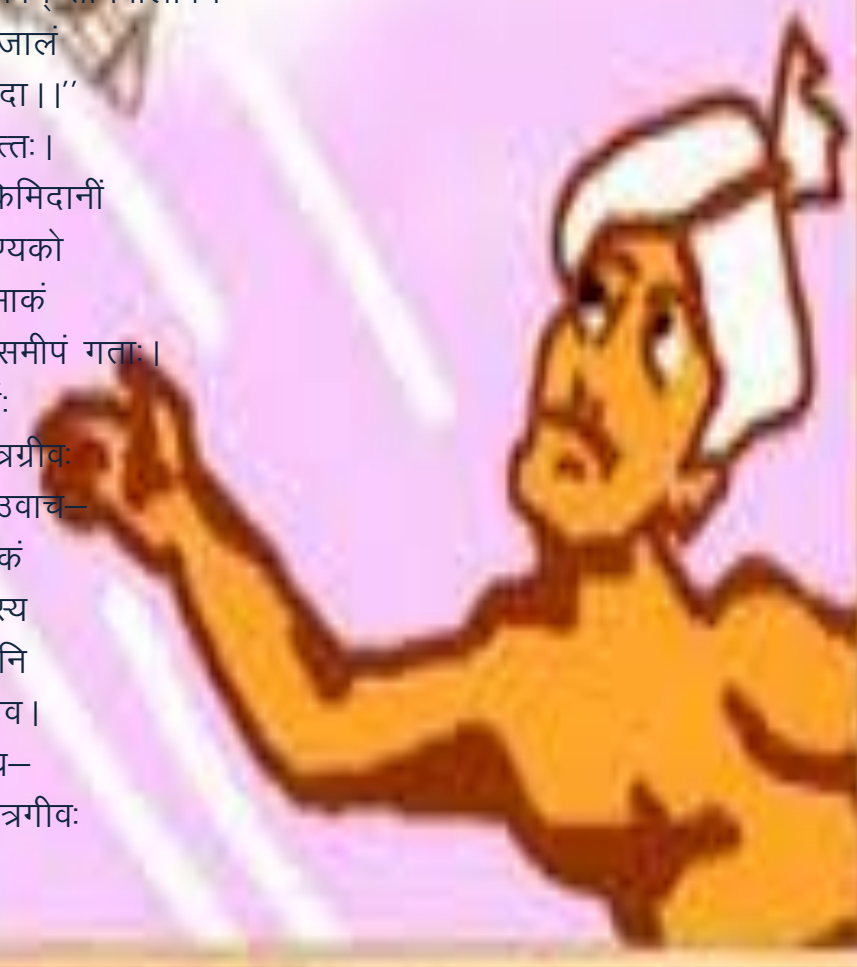

नाम– चिनमई सिंह

कक्षा – सप्तम 'स'

केंद्रीय विद्यालय बुलन्दशहर

(प्रथम पाली)

सं०	कर्मचारी का नाम	पदनाम	सं०	कर्मचारी का नाम	पदनाम
1	रिक्त	उप प्राचार्या	34	श्री अमरचंद	मुख्याध्यापक
2	श्री फलेन्द्र तिवारी	पी० जी० टी० (रसायन विज्ञान)	35	कु. नीता गर्ग	पी० आर० टी०
3	श्रीमती मन्जू सिंह	पी० जी० टी० (जीव विज्ञान)	36	श्री दया राम शर्मा	पी० आर० टी०
4	श्री संजीव राजौरा	पी० जी० टी० (भौतिक विज्ञान)	37	श्रीमती गार्गी शर्मा	पी० आर० टी०
5	श्रीमती सरिता रानी	पी० जी० टी० (हिन्दी)	38	श्री सुरजीत सिंह	पी० आर० टी०
6	श्रीमती नम्रता गोखले	पी० जी० टी० (सी० एस०)	39	श्रीमती मनीषा	पी० आर० टी०
7	श्रीमती भावना शर्मा	पी० जी० टी० (कॉमर्स)	40	श्रीमती अनुभूति शर्मा	पी० आर० टी०
8	श्री नरेश कुमार	पी० जी० टी० (अंग्रेजी)	41	श्री सतेन्द्र कुमार शर्मा	पी० आर० टी०
9	श्री दिनेश कुमार	पी० जी० टी० (रसायन विज्ञान)	42	श्रीमती सुनीति सरकार	पी० आर० टी०
10	श्री रामनिवास	पी० जी० टी० (अंग्रेजी)	43	श्रीमती शिखा भगेल	पी० आर० टी०
11	श्री त्रिवेन्द्र सिंह	पी० जी० टी० (गणित)	44	श्रीमती सोनिया चौहान	पी० आर० टी०
12	श्री एस० एन० सिंह	पी० जी० टी० (भूगोल)	45	कु. अर्पिता चिल्लर	पी० आर० टी०
13	श्री बिजेंद्र कुमार	पी० जी० टी० (भौतिक विज्ञान)	46	श्रीमती नेहा चौहान	पी० आर० टी०
14	रिक्त	पी० जी० टी० (अर्थ शास्त्र)	47	श्रीमती संजू टटवाल	पी० आर० टी०
15	रिक्त	पी० जी० टी० (इतिहास)	48	श्रीमती सोनी	पी० आर० टी०
16	श्रीमती शोभा व्यास	टी० जी० टी० (संस्कृत)	49	श्रीमती अंजू देवी	पी० आर० टी०
17	श्रीमती तौकीर फातिमा	टी० जी० टी० (अंग्रेजी)	50	श्रीमती नीता शर्मा	पी० आर० टी०
18	रिक्त	टी० जी० टी० (हिन्दी)	51	कु. गायत्री	पी० आर० टी०
19	श्री रंजीत सिंह	टी० जी० टी० (एस०, एस० टी०)	52	श्रीमती रेनू पंडित	पी० आर० टी० (संगीत)
20	श्रीमती आभा गुप्ता	टी० जी० टी० (अंग्रेजी)	53	श्री रामगोपाल	ए० एस० ओ०
21	श्री विनोद कुमार शर्मा	टी० जी० टी० (गणित)	54	श्री धीरेन्द्र कुमार	एस० एस० ए०
22	श्री दीपक कुमार	टी० जी० टी० (गणित)	55	श्री जितेन्द्र कुमार	जे० एस० ए०
23	श्री ओ० एस० भाटी	टी० जी० टी० (गणित)	56	श्री कृष्ण गोपाल गुप्ता	सब स्टाफ
24	सुश्री पूनम	टी० जी० टी० (हिन्दी)	57	श्री रविन्द्र बाल्मीकि	सब स्टाफ
25	श्री वीरी सिंह	टी० जी० टी० (हिन्दी)	58	श्री सीता राम	सब स्टाफ
26	सुश्री रश्मि यादव	टी० जी० टी० (विज्ञान)	59	श्री अयूब खान	सब स्टाफ
27	रिक्त	टी० जी० टी० (विज्ञान)	60	श्री तुलसी राम सागर	सब स्टाफ
28	रिक्त	टी० जी० टी० (अंग्रेजी)	61	श्री जे० के० शर्मा	सब स्टाफ
29	रिक्त	टी० जी० टी० (एस०, एस० टी०)			
30	श्री देवेन्द्र सिंह राणा	योगा शिक्षक			
31	श्री एल० एम ० त्रिपाठी	पुस्तकालयध्यक्ष			
32	श्री विक्रम सिंह	टी० जी० टी० (शारीरिक शिक्षा)			
33	श्रीमती ललिता तोमर	टी० जी० टी० (कला)			
34	श्री कपिल देव शर्मा	टी० जी० टी० (कार्य अनुभव)			

KV BULANDSHAHR,Shift-2		
Staff List		
S.NO.	**Name of Employee**	**Designation**
1	Sh. S.P. Singh	Principal
2	Shri S. N. Sharma	Vice Principal
3	Smt. Shakuntala Sharma	TGT(Sanskrit)
4	Mr. Chavi Kant	TGT(Maths)
5	Mr. Manish sharma	TGT-PH&E
6	Mr. Abhinay Saxena	TGT-WET
7	Mr. Niraj Kumar Verma	TGT-LIB
8	Mrs. Shraddha Gaur	TGT-SOCIAL-STUDY
9	Mrs. Prasun Bhardwaj	TGT-ART
10	Mrs. Harsha	TGT-MATH
11	Mrs. Neha Saxena	PRT
12	Miss Shivanjali Singh	PRT
13	Miss Nazmeen Ahmed	PRT
14	Miss Pooja kumari	PRT
15	Miss Aayushi	PRT
16	Mrs. Sangeeta Tripathi	PRT
17	Miss. Ankita jha	PRT
18	Mr. Shankar Lal	PRT
19	Miss. Shilpa	PRT
20	Mr. R.P. Singh	PRT
21	Mrs. Safia	PRT
22	Mrs. Manju Verma	PRT-Music
23	Ms. Neeta Gupta	Computer Instructor
24	Ms. Meenu	Consellor
25	Ms. Neha Chaudhary	TGT Science
26	Ms. Nutan shukla	TGT S.Sc.
27	Ms. Pushpa Rani	TGT English
28	Mrs. Nirmesh Kumari	TGT- HINDI
29	Mrs. Tulsi	TGT- HINDI
30	Ms.Manju	TGT-SCIENCE
31	Mr. Pramod	S.S.A.
32	Mr . Amardeep Kumar	J.S.S.A.
33	Shri Anjum Khan	Lab Attendant
34	Mr. A. Upadhyay	Lab Attendant

STAFF OF FIRST SHIFT

STAFF OF SECOND SHIFT

केन्द्रीय विद्यालय बुलन्दशहर
अन्तराष्ट्रीय योग दिवस
कार्यक्रम मे आप सभी का
हार्दिक स्वागत करता है।
दिनांक :– 21 जून

केन्द्रीय विद्यालय बुलन्दशहर
हिन्दी पखव
11 से 25 सितम्बर

Always
be
honest
SHIVAJI HOUSE
ASHOKA
HOUSE

Stop Female
Foeticide...
XII - D

Tom &
Jerry

Name - Shikha

हम सबका
यही सपना
स्वच्छ भारत
ही अपना
स्वच्छ
भारत

THE BIRD HOUSE
Little bird, little bird,
look at me!
I have a bird house
Oh, come and see!
Under the tree!
I like this house,
Give it to me.

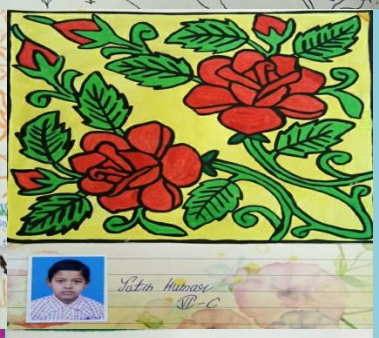

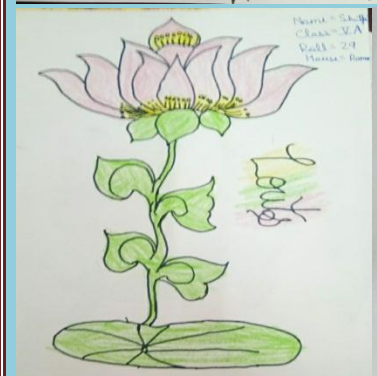

Name - Kashish Bhati
Class - V-C
Roll no - 6

Good
Morning

House - Raman
Roll no - 30
class - V C
Save
Earth